

ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज



आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

सच्ची खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

वर्ष - 05, अंक -33

दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 16 अप्रैल से 22 अप्रैल 2026 (प्रत्येक गुरूवार)

पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

छत्तीसगढ़ को प्रगति और समृद्धि के नए आयामों तक ले जाने में युवा पीढ़ी की महत्वपूर्ण भूमिका - उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा

युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री साय

छत्तीसगढ़ के 430 युवाओं को मिला शासकीय सेवा का अवसर, प्रयोगशाला परिचारकों को सौंपे गए नियुक्ति पत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ में युवाओं के सशक्त भविष्य और पारदर्शी भर्ती व्यवस्था की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित गरिमामय समारोह में उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत चयनित 430 प्रयोगशाला परिचारकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी नवनि्युक्त अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि राज्य सरकार युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी, निष्पक्ष और व्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक सुधार किए गए हैं, जिनका सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन में शुचित्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'सुशासन एवं अभिसरण विभाग' का गठन



किया गया है तथा मंत्रालय के कार्यों को ई-प्रणाली से जोड़ा गया है, जिससे भ्रष्टाचार के रास्तों को प्रभावी रूप से बंद किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पूर्व में हुए

पीएससी घोटाले की जांच सीबीआई को सौंपकर सरकार ने यह संदेश दिया है कि पारदर्शिता और न्याय सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके साथ ही भर्ती परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए कड़े कानूनी प्रावधान किए गए हैं, जिससे परीक्षाओं की विश्वसनीयता और अधिक मजबूत होगी।

उन्होंने आगे कहा कि भर्ती प्रक्रियाओं को सरल और सुलभ बनाने के लिए 'छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल' के गठन तथा एक निश्चित 'परीक्षा कैलेंडर' लागू करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की नई औद्योगिक नीति के माध्यम से निजी क्षेत्र में स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाए जा रहे हैं। उद्योगों को प्रोत्साहन देकर रोजगार सृजन को गति दी जा रही है, ताकि सरकारी नौकरियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र भी युवाओं के लिए सशक्त विकल्प बन सके।

मुख्यमंत्री ने सभी नवनि्युक्त कर्मचारियों से निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि वे विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने इस भर्ती प्रक्रिया को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता, निष्पक्षता और सुशासन के सिद्धांतों पर आधारित रही है। उन्होंने कहा कि योग्य और प्रतिभाशाली युवाओं को उनका अधिकार दिलाने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक पहल है। मंत्री श्री वर्मा

मुख्यमंत्री ने कचहरी चौक स्थित एसबीआई के नये भवन का किया शुभारंभ, आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं से मिलेगा लाभ

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की कचहरी शाखा के नवीन एवं अत्याधुनिक परिसर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रभाष कुमार सुबुद्धि, उप महाप्रबंधक श्री रमेश सिन्हा, प्रबंधक श्री अनिल यादव सहित बैंक के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष और सीमाभंग का विषय है कि पिछले 50 वर्षों से संचालित एसबीआई की कचहरी शाखा अब नए आधुनिक भवन में स्थानांतरित होकर ग्राहकों को और बेहतर सेवाएं प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि इस नए परिसर में उपभोक्ताओं को अत्याधुनिक बैंकिंग सुविधाएं मिलेंगी, जिससे उनके कार्य और अधिक सहज और त्वरित होंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बैंकिंग व्यवस्था को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए कहा कि भारतीय स्टेट बैंक अपने दायित्वों का उत्कृष्ट निर्वहन कर रहा है और आगे भी ग्राहकों की सेवा में इसी तरह अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर शाखा के अधिकारियों और ग्राहकों को शुभारंभ की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि एसबीआई की कचहरी शाखा ने हाल ही में अपनी सेवाओं के 50 वर्ष पूर्ण किए हैं। ग्राहकों को बेहतर, सुविधाजनक और उन्नत बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शाखा को पंडरी रोड स्थित आवसीजन क्षेत्र में नए परिसर में स्थानांतरित किया गया है, जहां आधुनिक सुविधाओं के साथ बेहतर बैंकिंग अनुभव सुनिश्चित किया जाएगा।

ने बताया कि पदस्थापना प्रक्रिया में भी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए काउंसिलिंग प्रणाली अपनाई गई। यह व्यवस्था सुशासन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह नई पीढ़ी

छत्तीसगढ़ को प्रगति और समृद्धि के नए आयामों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हाल ही में लैब टेक्नीशियन और अब प्रयोगशाला परिचारकों को नियुक्तियाँ इस दिशा में सरकार की सक्रियता का स्पष्ट प्रमाण हैं।

सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है- मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े

■ मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने ग्राम डोंगरा में कुसुम पेड़ के नीचे लगाई 'बाल चौपाल'

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े आज उत्तर बस्तर कांकेर जिले के प्रवास के दौरान दुर्गुकोंदल विकासखंड के दूरस्थ ग्राम डोंगरा पहुंचीं। यहां उन्होंने हाई स्कूल परिसर में कुसुम पेड़ के नीचे 'बाल चौपाल' लगाकर ग्रामीण महिलाओं और बच्चों के साथ जमीन पर बैठकर आत्मीय एवं अनौपचारिक संवाद किया। इस अवसर पर राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा तथा राज्य हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत भी उपस्थित रहीं।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने ग्रामीण महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। इससे महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बन रही हैं,



साथ ही उनकी दैनिक जरूरतों की पूर्ति भी सहज हो रही है। उन्होंने कहा कि नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ बनने के बाद अब राज्य सरकार द्वारा विकास कार्यों को और अधिक गति दी जा रही है, जिससे दूरस्थ अंचलों तक बुनियादी सुविधाएं, शिक्षा,

स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर तेजी से पहुंच रहे हैं। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को विशेष रूप से संतुलित आहार, अतिरिक्त पोषण, प्रोटीन और विटामिन लेने की सलाह देते हुए कहा कि स्वस्थ मां ही स्वस्थ समाज की नींव होती है। उन्होंने

महिलाओं से विभागीय योजनाओं तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान डॉ. वर्णिका शर्मा ने बच्चों के बीच विभिन्न ज्ञानवर्धक एवं रचनात्मक गतिविधियां आयोजित कराईं।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने प्रतिभागी बालिकाओं को अपने हाथों से पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। बच्चों के लिए आयोजित गतिविधियों में गूढ़ टच-बैड टच, लोकगीत, लोकनृत्य, व्यक्तिगत विकास एवं दैनिक जीवन से जुड़ी प्रतियोगिताएं शामिल रहीं, जिनमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

रेडी टू टैट से बनी खीर से कराया अन्नप्राशन, शिशुवती माताओं को सुपोषण टोकरी भेंट

बाल चौपाल में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने तीन नौनिहालों का अन्नप्राशन कराया। उन्होंने ग्राम डोंगरा की सुकोरी बाई की 5 माह की पुत्री रूही नरेटी को गोद में लेकर रेडी टू टैट से बनी खीर खिलाई। इसी तरह वामिका उइके एवं लावण्या गावड़े का भी अन्नप्राशन संपन्न कराया। इसके साथ ही पांच शिशुवती माताओं को सुपोषण टोकरी भेंट कर कुपोषण मुक्ति का संदेश दिया।

यूरिया का प्रभावी विकल्प बन रही हरी खाद, जशपुर में 600 हेक्टेयर में प्रदर्शन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में टिकाऊ और जैविक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में जशपुर जिले में रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के उद्देश्य से हरी खाद के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

कृषि विभाग द्वारा जशपुर जिले के सभी विकासखंडों में इस वर्ष 600 हेक्टेयर क्षेत्र में हरी खाद का प्रदर्शन किया जा रहा है। किसानों से अपील की गई है कि वे कृषि विभाग के मैदानी अमले से संपर्क कर हरी खाद तकनीक अपनाएं, जिससे मिट्टी की सेहत में सुधार के साथ दीर्घकालीन उत्पादकता सुनिश्चित हो सके।

हरी खाद के अंतर्गत हेंचा, सनई, मूंग, उड़द और बरसीम जैसी फसलों को खेत में उगाकर 40 से 50 दिन बाद जुताई कर मिट्टी में मिला दिया जाता है। इसके पश्चात 2 से 3 सप्ताह बाद मुख्य फसल की बुवाई की जाती है। यह प्रक्रिया मिट्टी में प्राकृतिक पोषक तत्वों की पूर्ति करती है।

हरी खाद के उपयोग से मिट्टी में नाइट्रोजन, पोटाश एवं अन्य आवश्यक पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ती है, साथ ही जैविक पदार्थों में वृद्धि होती है। इससे मिट्टी की जलधारण क्षमता बेहतर होती है और भूमि भुरभुरी एवं अधिक उपजाऊ बनती है। हरी खाद अपनाने से रासायनिक उर्वरकों, विशेषकर यूरिया, की आवश्यकता में कमी आती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, हरी खाद का उपयोग कम लागत में अधिक लाभ देने वाला उपाय है, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक है। राज्य सरकार द्वारा इस दिशा में किए जा रहे प्रयास किसानों को आत्मनिर्भर और खेती को अधिक टिकाऊ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं।

चिन्हारी योजना से सशक्त हो रही छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति

लोक कलाकारों को मिल रही नई पहचान, परंपराओं के संरक्षण को मिल रहा बढ़ावा

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा संचालित चिन्हारी योजना राज्य की समृद्ध लोक-संस्कृति, परंपराओं और लोक कलाकारों को नई पहचान देने का सशक्त माध्यम बनती जा रही है। इस योजना के माध्यम से न केवल पारंपरिक कला रूपों का संरक्षण हो रहा है, बल्कि कलाकारों को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से भी सशक्त किया जा रहा है।

चिन्हारी योजना के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में लोक कलाकारों, शिल्पकारों, गायकों और नर्तकों की पहचान कर उनका पंजीयन किया जा रहा है। इससे एक व्यापक सांस्कृतिक डेटाबेस तैयार हो रहा है, जो भविष्य में कला के संरक्षण और संवर्धन में सहायक सिद्ध होगा।

योजना के अंतर्गत चयनित कलाकारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है तथा उन्हें राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी कला प्रस्तुत करने के अवसर भी दिए जाते हैं। इसके साथ ही मेलों, उत्सवों और शासकीय कार्यक्रमों में इन



कलाकारों की भागीदारी सुनिश्चित की जाती है, जिससे उन्हें व्यापक पहचान मिल रही है। चिन्हारी योजना से सशक्त हो रही छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृतिनई पीढ़ी को लोक संस्कृति से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन भी इस योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गुरु-शिष्य परंपरा को बढ़ावा देते हुए अनुभवी कलाकारों के मार्गदर्शन में युवाओं को पारंपरिक कला का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। चिन्हारी योजना का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू विलुप्त होती लोक परंपराओं का संरक्षण और पुनर्जीवन है। इसके तहत लोक

नृत्य, लोकगीत और पारंपरिक शिल्प को संरक्षित कर उन्हें नई ऊर्जा प्रदान की जा रही है। साथ ही, डिजिटल माध्यमों के जरिए इन कलाओं का प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही, स्थानीय कला को पर्यटन से जोड़कर रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं। चिन्हारी योजना छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और कलाकारों को सशक्त बनाने की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है।

माओवाद की समाप्ति के बाद अब बस्तर का सर्वांगीण विकास होगा : मंत्री नेताम



आदिम जाति मंत्री ने दुर्गुकोंदल में किया सर्व आदिवासी विश्राम गृह का लोकार्पण

रायपुर। आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज कांकेर जिले के दुर्गुकोंदल ब्लॉक मुख्यालय में सर्व आदिवासी समाज कल्याण विश्राम गृह का लोकार्पण किया। उन्होंने अपने उद्घोषण में कहा कि पिछले 04 दशक तक हिंसा, आतंक का पर्याय बन चुका माओवाद आज समाप्त हो गया है। लंबे अरसे तक दंश झेलने वाले बस्तर में अब तेजी से सर्वांगीण विकास होगा।

दुर्गुकोंदल के बाजार चौक में आयोजित मंचीय कार्यक्रम में मंत्री श्री नेताम ने कहा कि प्रदेश में माओवाद की समूल समाप्ति के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के संकल्प को पूरा करने प्रयास के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बेहतर रणनीति के साथ इस कार्य को अंजाम दिया। उन्होंने कहा कि साय सरकार के नेतृत्व में युवा, बुजुर्ग, बच्चे और महिलाओं सभी वर्ग के लिए बेहतर कार्य हो रहे हैं। बस्तर के विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा मास्टर प्लान तैयार किया गया है। श्री नेताम ने सर्व आदिवासी समाज विश्राम गृह की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इससे समाज के लोगों को लाभ मिलेगा और सामाजिक गतिविधियों को अच्छे ढंग से संपादित कर सकेंगे। इस अवसर पर विधायक श्रीमती सावित्री मंडावी ने भी समाज जनों को बधाई देते हुए विश्राम भवन के निर्माण को दुर्गुकोंदल क्षेत्र के लिए काफ़ी उपयुक्त बताया।

सेठ रतनचंद सुराना विधि महाविद्यालय में वैकल्पिक विवाद समाधान सेमिनार का द्वितीय दिवस संपन्न

दुर्ग। सेठ रतनचंद सुराना विधि महाविद्यालय में विद्यार्थियों हेतु आयोजित वैकल्पिक विवाद समाधान विषयक सेमिनार का द्वितीय दिवस सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव, लीगल एड डिफेंस कार्डिसल सिस्टम के चीफ अडिस्ट्रेंट अधिवक्ता एवं मीडिएटर अधिवक्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सेमिनार के दौरान विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को संविधान एवं वैकल्पिक विवाद समाधान की अवधारणा पर विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि वैकल्पिक विवाद समाधान क्या है, किन परिस्थितियों में इसका उपयोग किया जाता है, इसकी आवश्यकता क्यों है तथा यह समाज एवं न्याय प्रणाली को किस प्रकार सुदृढ़ बनाता है। लोक अदालत एवं मीडिएशन की प्रक्रिया, उनके महत्व तथा व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से विषय को सरल एवं सहज भाषा में समझाया गया।

विशेषज्ञों ने न्यायालयों में लॉबत मामलों की संख्या, मीडिएशन के विभिन्न प्रकार एवं



उनकी प्रभावशीलता पर भी विस्तृत प्रकाश डाला। साथ ही वर्तमान समय में वैकल्पिक-विवाद समाधान की बढ़ती प्रासंगिकता एवं उसकी व्यापक उपयोगिता पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव द्वारा ऑनलाइन विवाद समाधान के संबंध में भी जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को ऑनलाइन विवाद समाधान की अवधारणा, उसके प्रारंभ, उपयोग के क्षेत्रों एवं लाभों से अवगत कराया गया। साथ ही उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी दिश-निर्देशों की जानकारी भी साझा की गई।

मीडिएशन की प्रक्रिया को अधिक रोचक एवं व्यावहारिक बनाने हेतु विशेषज्ञों ने फिल्मों के किरदारों के उदाहरणों के माध्यम

से विवाद समाधान की भूमिका को सहज ढंग से प्रस्तुत किया तथा महास्थता 2.0 की अवधारणा पर भी विशेष प्रकाश डाला।

इसके अतिरिक्त, आधुनिक तकनीकी साधनों के प्रभावी उपयोग पर मार्गदर्शन देते हुए विशेषज्ञों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से प्राप्त जानकारी के सत्यापन की आवश्यकता पर जोर दिया तथा इससे संबंधित एक सत्यापन की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान एक चित्रकला प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय जेल के बंदि्यों, पैराहिलम वॉलंटियर्स एवं एलएडीसीएस के स्टॉफ़द्वारा निर्मित कलाकृतियों का प्रदर्शन किया गया, जिसे विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनों ने अत्यंत सराहा।

डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर जयंती पर श्रद्धासुमन के साथ विधिक जागरूकता अभियान का शुभारंभ

दुर्ग। भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के पावन अवसर पर आज प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा न्यायालय परिसर में डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित की गई। कार्यक्रम के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने अपने उद्बोधन में डॉ. अंबेडकर के विचारों, उनके संघर्षमय जीवन एवं भारतीय समाज को समानता, न्याय और अधिकारों के प्रति जागरूक करने में उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर के सिद्धांत आज भी समाज को दिशा प्रदान करते हैं तथा प्रत्येक नागरिक को उनके आदर्शों को आत्मसात कर न्यायपूर्ण समाज की स्थापना में योगदान देना चाहिए।

इस शुभ अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा एक विशेष विधिक जागरूकता अभियान का भी शुभारंभ किया गया। अभियान के अंतर्गत आमजन को उनके विधिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने हेतु प्राधिकरण के पैरालीगल वॉलंटियर्स (ऋद्धुह्वा) को जिले के विभिन्न



ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में रवाना किया गया। आयोजित विधिक साक्षरता शिविरों में पैरालीगल वॉलंटियर्स द्वारा आम नागरिकों को निःशुल्क विधिक सहायता, मध्यस्थता, नेशनल लोक अदालत, महिला एवं बाल संरक्षण,

श्रमिक अधिकार, तथा सामाजिक न्याय से संबंधित विभिन्न विषयों पर जानकारी प्रदान की गयी। इसके साथ ही आम नागरिकों को उनके अधिकारों के संरक्षण हेतु उल्लंघन कानूनी उपायों के बारे में भी विस्तार से अवगत कराया

गया।

इसी क्रम में, एलएडीसीएस (Legal Aid Defense Counsel System) के कार्डसिल द्वारा भी विभिन्न स्थानों पर आयोजित विधिक जागरूकता शिविरों में सक्रिय विधिक सहायता, आपराधिक मामलों में अधिकार, जमानत प्रक्रिया, विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं एवं अन्य महत्वपूर्ण विधिक प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा दुर्ग, नयापारा, राजीवनगर, विद्यानगर, पंचशील नगर रिसाली, चांदनी चौक धनोप, कोडिया, हनोदा, कोकड़ी, हरदी, नंदिनी, चिंगरी, बौरझर, अंजोरा, माटरा, धमथा, सहगांव, डोमा, अहरी, सगनी, झिट, तुलसी, कापसी, बेलेदी, बजरंग पारा भिलाई, पुरैना, आदर्श नगर, खुसीपार, महमरा, दमोदा, खुडसुल, सिलोवा आदि स्थानों पर विधिक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा संचालित यह पहल डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर के «समानता एवं न्याय» के संदेश को जन[जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सड़कों पर बस नहीं खड़े करने दिये निर्देश, बस स्टैण्ड का निरीक्षण करने पहुंचे एसडीओपी व सीएमओ

सरायपाली। शहर के बस स्टैण्ड में सड़क पर बसों के खड़े रहने के कारण अ[सर यातायात बाधित होने तथा दुर्घटनाएँ होने की शिकायतों के बाद एसडीओपी और मु[य नगरपालिका अधिकारी के द्वारा अपनी टीम के साथ बस संचालकों, ऑटो चालकों और बस स्टैण्ड के आस[पास के व्यापारियों को समझाईश दी गई है तथा यातायात बाधित करने पर कार्यवाही की भी चेतावनी दी गई है। शहर के मु[य मार्ग पर स्थित बस ने स्टैण्ड में आये दिन बेतरतीब ढंग से बसों के खड़े रहने और सड़क व आसपास के व्यवसायियों द्वारा सामग्रियों को फैला क कर रखने के कारण बस स्टैण्ड के आस पास यातायात व्यवस्था में काफी व्यवधान उत्पन्न हो रहा था। इसके अलावा दुर्घटना की भी संभावना बनी रहती थी, जिसे देखते हुए शहर वासियों न के द्वारा यहाँ यातायात दुरुस्त करने के लिए कई बार पुलिस व नगर पालिका से शिकायत की गई थी। उ[त शिकायतों को देखते हुए एसडीओपी ललिता मेहर एवं मु[य नगर पालिका अधिकारी दिनेश यादव उनकी टीम के द्वारा बस स्टैण्ड में सभी बस,



संचालकों व आस[पास के व्यवसायियों को समझाईश दी गई। उनके द्वारा बसों को निर्धारित स्थान पर खड़ी करने और अनावश्यक सड़क पर बसें खड़ी नहीं करने की हिदायत दी गई। साथ ही व्यापारियों को भी बाहर तक सामान नहीं न निकालने की समझाईश दी गई तथा इसका उल्लंघन करने पर भारी भरकम जर्माना लगाने की चेतावनी भी दी गई है। इस संबंध में सीएमओ यादव ने बताया कि बसों के लिए बस स्टैण्ड परिसर के भीतर पार्किंग व्यवस्था बनाई गई है, लेकिन अधिकांश बसें सड़क पर ही खड़ी रहती हैं। इसे देखते हुए पुलिस व नपा की टीम के द्वारा सभी बस संचालकों को अपने बसों को परिसर के भीतर ही रखने तथा निर्धारित समय के केवल 5 मिनट पूर्व ही सड़क पर निकालने की समझाईश दी गई है। साथ ही

इसका उल्लंघन कर यातायात बाधित करने पर 20 हजार रुपये तक के जुर्माने की चेतावनी भी उन्हें दी गई है। इसके लिए सभी बस संचालकों से उनका शेड्यूल भी लिया गया है, ताकि निर्धारित समय के पूर्व बसों के बाहर निकलने पर उन पर कार्यवाही की जा सके। इसके अलावा सभी ऑटो चालकों को एक कतार में रखने के लिए कहा गया है। वहीं फल दुकानों, होटलों, अन्य व्यापारियों व शेड के बाहर सामान निकालने वालों अथवा शेड को ही सीमा से अधिक बाहर तक निकालने वाले व्यवसायियों को भी स[त हिदायत दी गई है। यादव ने बताया कि एसडीओपी के द्वारा बस स्टैण्ड में व्यवस्था बनाये रखने के लिए दो पुलिस बल भी तैनात करने की बात कही गई है। साथ ही समय[समय पर नगर पालिका की टीम भी यहाँ व्यवस्थाओं का जायजा लेती रहेगी।

ग्रामीणों को निस्तारी की समस्या को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा नहर के माध्यम से तालाबों को भरा जा रहा



बलौदाबाजार। ग्रीष्म ऋतु में तालाबों में पानी की कमी के कारण ग्रामीणों को निस्तारी की समस्या को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा महानदी जलाशय परियोजना के नहर के माध्यम से तालाबों को भरा जा रहा है। कले[टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर जल संसाधन विभाग के अधिकारियों द्वारा तालाबों में पानी भरने के कार्य की निगरानी की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में महानदी जलाशय परियोजना के

नहर के माध्यम से विकासखंड बलौदाबाजार, पलारी, सिमगा एवं भाटपारा के कुल 214 गांव के 379 तालाबों को भरने का लक्ष्य है। इनमे से 21 तालाबों में अब तक पानी भरा गया है तथा 132 प्रगतिरत है। शेष तालाबों में भी जल्द पानी भर दिया जाएगा इन तालाबों के भरने से ग्रामीणों को ग्रीष्म ऋतु में निस्तारी के संकट से मु[त मिलेगा। इसके साथ ही तालाबों के भरने से आस[पास के क्षेत्रों में वाटर रिचार्ज भी होगा।

महतारी वंदन योजना बनी गायत्री साहू के लिए संबल, हौसला के पंख को मिली नई उड़ान

बलौदाबाजार-भाटापारा। जीवन की राह में जब दुखों का पहाड़ टूटता है, तो अ[सर उ[मिदें दम तोड़ने लगती हैं, लेकिन छ[पीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना प्रदेश की हजारों महिलाओं के लिए अंधेरे में दीये की तरह साबित हो रही है। अमरा की गायत्री साहू के लिये भी योजना के तहत मिलने वाली राशि सहारा बन गई। गायत्री साहू के पति के आकस्मिक देहांत के बाद दुखों का सैलाब आ गया था। सिर से मुखिया का साया उठने के बाद परिवार के भरण[पोषण की चिंता गायत्री को दिन[रात सताते लगी थी, लेकिन मु[यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शुरू हुई महतारी वंदन योजना ने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी। प्रतिमाह बैंक खाते में आने वाली एक हजार रुपये की स[मान राशि गायत्री के लिए केवल पैसा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की



पहली सीढ़ी बन गई।अपनी इसी छेटी[सी बचत और अटूट हैसले से गायत्री ने गांव में ही एक छेटी सी फैंसी दुकान शुरू की है। आज उसी दुकान की आमदनी और सरकार से मिलने वाली निरंतर सहायता के बल पर वे न केवल अपने परिवार का स[मानपूर्वक संचालन कर रही हैं, बल्कि समाज में एक नई मिसाल भी पेश कर रही हैं। गायत्री साहू भावुक होकर कहती हैं कि जब उन्हें सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब 'महतारी वंदन योजना' एक सच्चे सहारे के रूप में उनके पास आई। उन्होंने इस मानवीय पहल के लिए मु[यमंत्री विष्णुदेव साय जी का सहृदय आभार व्य[त करते हुए कहा कि इस योजना ने उन्हें आर्थिक तंगी की बैड़ियों से मु[त कर अपने पैरों पर खड़ा होने का साहस दिया है।

आपदा पीड़ित परिवारों को 16 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

बलौदाबाजार। प्राकृतिक आपदा से मृत 4 लोगों के निकट परिजनों के लिए प्रत्येक व्य[ित के लिए 4[4 लाख रुपये के मान से 16 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। कले[टर कुलदीप शर्मा ने राजस्व पुस्तक परिपत्र की धारा 6[4 के तहत ये स्वीकृतियां प्रदान की हैं। जिला कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित परिजनों में शिवकुमारी केंवट पति स्व. गणेशराम केंवट, निवासी ग्राम सुनुसुनिया तहसील लवन, शिवमति पटेल पति स्व. आकाश पटेल, निवासी ग्राम करदा, तहसील लवन, पंचवती साहू पति स्व. सुरेश साहू, निवासी ग्राम लाहोद, तहसील लवन एवं लेन बाई यादव पति स्व.तन्मू यादव, निवासी ग्राम सरखोर, तहसील लवन शामिल है। पीड़ितों के निकट परिजनों के कुंआ, महानदी के पानी में डूबने एवं सर्पदंश से मरुत्यु हो गई थी। कले[टर ने संबंधित तहसीलदारों को आरटीजीएस के जरिये पीड़ित लोगों के खाते में राशि

भाजपा की कथनी और करनी में समानता ने बनाया उसे सर्व स्वीकार्य : पं.राजेश शर्मा

धमतरी। भारतीय जनता पार्टी अपनी स्थापना के 47 वर्ष के छोटे से काल में आम जनता से जुड़कर आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में स्थापित हो गई है। उसका प्रमुख कारण यह है कि पार्टी की कथनी एवं करनी में समानता एवं एकरूपता है जिसके कारण यहां सर्व स्वीकार होकर केंद्र सहित अनेक राज्यों में प्रमाणित सेवा का उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। उ[त बातें भारतीय जनता पार्टी प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य पंडित राजेश शर्मा द्वारा पार्टी के स्थापना दिवस 6 अप्रैल से सेवा पखवाड़ा का जो शुरुआत हुआ है उसके अंतर्गत मकेश्वर वाई में पहुंचकर आम जनमानस के बीच कही है। आगे शर्मा ने कहा है कि केंद्र की मोदी सरकार तथा राज्य में विष्णुदेव साय की सरकार द्वारा समाज के अंतिम छोर के व्य[ित तक सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु जो कार्य किया



जा रहे हैं उससे अवगत कराते हुए लाभार्थी एवं हितराधियों को इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने के लिए आग्रह पूर्वक प्रेरित किया। वहीं इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित भाजपा प्रदेश सह कार्यालय मंत्री प्रीतेश गांधी ने कहा है

कि सार्वजनिक जीवन में जनता के धरातल पर सेवा की भावनाओं को अपने में आत्मसात करते हुए समर्पित भाव से संगठन को सश[त बनाना ही भाजपा की विशिष्ट पहचान है जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश

तेजराम बंजारे, गोविंद मानिकपुरी, विनोद धुवंशी, वकील खान, निमल पटेल, शैलेंद्र बंजारे, कुमार यादव, लोकरेश्वरी नागरची, प्रीति यादव, आशा बाई, रु[मणी, रंजिया, सुनीता सेन, कांति भांडेकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

धन, दौलत, शोहरत से नहीं, वरन् सेवा से मिली संतुष्टि : पं.राजेश शर्मा



धमतरी। मकेश्वर वाई में समाजसेवी धर्मप्री पंडित राजेश शर्मा के आगमन की सूचना पर वाई के 75 वर्षीय उम्रदराज एक पैर से विकलांग वरिष्ठजन व्य[ित गुहराम बंजारे जो कि 20 साल पहले ज[िम के चलते अपने एक पैर को खोना पड़ा था, तब से लेकर आज तक शरीर को चलाने तथा दिनचर्या का एकमात्र सहारा ही बैसाखी है और यही गुहराम बंजारे की टकटकी निगाहें बेसब्री से इंतजार करते हुए पं.राजेश शर्मा की उनसे मिलने के लिए आतुर एवं उनके सेवाभावी कार्यों की चर्चा सुनकर उनसे मिलने के लिए बाट जोह रहे थे जिसकी जानकारी होने पर शर्मा भी वहां सहर्ष भाव से पहुंचकर अपने प्रति अपनत्व के इस मार्मिक भाव को फौरन भांपते हुए उन बुजुर्ग व्य[ित को गले लगाकर अपने को वाईदासियों द्वारा किए जा रहे स[मान को उन्हें समर्पित करते हुए शाल श्रीफल भेंट करते हुए इंसायित, मानवता के संवेदनाओं से ओत[प्रोत एक प्रेरक एवं सार्थक पहल प्रस्तुत की। इस भावनात्मक क्षण में वहां पर उपस्थितजन कायलत हो गए। वहीं भावुक होकर पंडित राजेश शर्मा के आंखों के आंसू सहसा जुगुन से कह गई कि ईश्वर ने जीवन में मुझे धन, दौलत, शोहरत तो बेशुमार दी है।

सेवा को संकल्पित कर जनता के बीच आगे बढ़ने का नाम है घर-घर चलो अभियान : विजय मोटवानी

धमतरी। भाजपा के सेवा पखवाड़ा को आगे बढ़ाने के लिए आमापारा वाई में अखिलेश सोनकर, प्रभारी रेशमा शेख, नीतू त्रिवेदी एवं वाई पार्षद विजय मोटवानी द्वारा वाई के वरिष्ठ नागरिकों विशेष कर जिन्होंने अपने जीवन को संघर्ष की कसौटी पर करते हुए अनुभव की बेशुमार दौलत अपनी झोली में डाला है और इसी को सानिध्य प्राप्त करने हेतु मोटवानी उनका स[मान करने उनके गृह निवास तक पहुंचते हुए उनसे संस्कार एवं अनुभव का सानिध्य लेकर भारतीय जनता पार्टी के द्वारा चलाये जा रहे पखवाड़ा के पवित्र उद्देश्य को आगे बढ़ाने का पुनीत कार्य किया। मोटवानी ने एक चर्चा में कहा



है कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता की निरन्धर्ष सेवा भावनाओं को अपने में आत्मसात करते हुए संकल्पबद्ध होकर सरकार के साथ ही शासन प्रशासन के योजनाओं को मूर्त रूप प्रदान कर रही है और इसी का नाम है हमारे पवित्र घरी[घर चलो अभियान। सेवा पखवाड़ा के इस महत्वपूर्ण अवसर पर गणमान्य नागरिकों में मूलचंद शर्मा, ज्ञानचंद

लुनावत, मदन खंडेलवाल, बोशेश्वर पटेल, देव यादव का स[मान करते हुए विजय मोटवानी द्वारा समाज को दिशा देने वाले इन सिटीजनो के प्रति उनके योगदान के लिए उनका भी व्य[ित किया। स[मान के इस अवसर पर अखिलेश सोनकर, रेशमा शेख, नीतू त्रिवेदी, भारत सोनी, सुधीर गांधी, अमित अग्रवाल, विशाल त्रिवेदी उपस्थित रहे।

खरतुली, परसतराई में भाजपा का घर-घर संपर्क, जनविश्वास हुआ मजबूत

भाजपा की नीतियां, योजनाएं समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित : चेतन हिंदूजा

धमतरी। भारतीय जनता पार्टी के गाँव चलो बूथ चलो अभियान के अंतर्गत ग्राम खरतुली एवं परसतराई में सश[त एवं व्यापक जनसंपर्क अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर पहुंचकर आमजन से आत्मीय संवाद स्थापित किया गया तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई जिससे आम नागरिकों में योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ी। इस अवसर पर मु[य अतिथि चेतन हिंदूजा जिला कोषाध्यक्ष, ओमेश यादव जिला महामंत्री भाजयुमो, [यास नारायण साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही कार्यकर्ता रोहित साहू, सोमरा साहू, शिवनारायण साहू, खेमलाल साहू, होमेश्वर साहू, राधेश्याम साहू, योगेश्वर सिन्हा,



फलेंद सिन्हा, हिरेंद्र साहू सहित बड़ी सं[्या में कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चेतन हिंदूजा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की नीतियां और योजनाएं समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित हैं।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे प्रत्येक घर तक पहुंचकर सरकार की योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराएं एवं संगठन को और अधिक मजबूत बनाएं। वहीं ओमेश यादव ने अपने संबोधन में कहा कि गाँव चलो बूथ

चलो अभियान संगठन की रीढ़ को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने युवाओं एवं कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर सक्रिय रहकर जनसेवा के कार्यों में निरंतर जुड़े रहने का आह्वान किया तथा संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प

दिलाया। अभियान के दौरान लाभार्थियों से मुलाकात कर योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का अवलोकन किया गया तथा उनके अनुभव, सुझाव एवं प्रतिक्रिया प्राप्त की गई। ग्रामीणों ने योजनाओं के प्रति संतोष व्य[ित करते हुए सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। कार्यक्रम के दौरान बूथ स्तर पर संगठन की और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से कार्यकर्ताओं के साथ विस्तारपूर्वक चर्चा की गई तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। यह अभियान भारतीय जनता पार्टी की जनसेवा एवं जनसमर्पण की भावना को दर्शाता है जिससे संगठन की जमीनी पकड़ और अधिक सुदृढ़ हो रही है तथा आमजन के साथ जुड़ाव लगातार मजबूत हो रहा है।

सुकमा में विकास और विश्वास की नई शुरुआत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दी 308 करोड़ की सौगात

सुकमा। विष्णु देव साय का 13 अप्रैल को सुकमा दौरा जिले के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। न३सल उन्मूलन की दिशा में तय डेडलाइन के बाद यह उनका पहला दौरा रहा, जिसमें उन्होंने एक ओर जहां 308 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया, वहीं दूसरी ओर पुनर्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को भी मजबूती से सामने रखा। मु३यमंत्री ने सुकमा से स्वस्थ बस्तर अभियान का शुभारंभ किया और अटल आरोग्य लैब की शुरुआत कर स्वास्थ्य सुविधाओं को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि अब बस्तर विकास के नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां शांति और प्रगति साथ३साथ आगे बढ़ेंगी।

पुनर्वास से विकास की ओर बढ़ता सुकमा – दौरे के दौरान मु३यमंत्री ने जिला अस्पताल के समर्पण संचालित पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया और वहां रह रहे



पुनर्वासित लोगों से सीधे संवाद कर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने पुनर्वास से विकास तक कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया। मु३यमंत्री ने बताया कि न३सल पुनर्वास नीति के प्रभावी क्रियान्वयन से सुकमा में सकारात्मक बदलाव आया है— अब तक 2392 न३सलियों ने आत्मसमर्पण किया। 361 पुनर्वासित नया जीवन शुरू कर चुके हैं।

वर्ष 2026 में 307 लोगों को प्रशिक्षण दिया गया। 313 युवाओं

को 10,000 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड मिल रहा है। पुनर्वास केंद्र में राजमिस्त्री, सिलाई, कृषि और वाहन चालक जैसे विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण देकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।

हितग्राहियों को मिला सीधा लाभ : कार्यक्रम में मु३यमंत्री ने पुनर्वासितों और प्रभावित परिवारों को कई लाभ वितरित किए — मोबाइल फोन वितरण (107 हितग्राही), निर्यु३त पत्र (पुलिस व अन्य विभागों में) राजमिस्त्री कित

और प्रशिक्षण सामग्री 10 नव शिक्षकों को निर्यु३त पत्र, अनुकंपा निर्यु३त के तहत पुलिस विभाग में 20 और जिला प्रशासन में 95 लोगों को रोजगार मिला।

आवास और आत्मनिर्भरता की पहल : प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सुकमा में पुनर्वासित परिवारों को विशेष लाभ दिया जा रहा है— 1775 आवास स्वीकृत, 44 पूर्ण।

कार्यक्रम में 25 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी गई। इसके

साथ ही स्व३सहयता समूहों से जुड़ी महिलाओं को स३मानित किया गया, जिन्होंने छोटे व्यवसायों के जरिए आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की।

मुख्यमंत्री का संदेश : मु३यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि पुनर्वासित लोगों को स३मानजनक जीवन, रोजगार और समाज में समान अवसर मिले। उन्होंने विश्वास जताया कि सुकमा जैसे क्षेत्रों में अब बढ़ूक की जगह विकास और विश्वास की धारा बहेगी।

सुरेश चौहान हत्याकांड स्कूटर पर खून के छींटे सीसीटीवी से खुला राज; भाई का बड़ा खुलासा

कोण्डागांव। नगर के प्रतिष्ठित टेंट व्यवसायी एवं शिरोमणि टेंट हाउस के संचालक सुरेश चौहान की हत्या के मामले में नया खुलासा सामने आया है। मृतक के बड़े भाई महेश चौहान ने बताया कि सुरेश शनिवार रात करीब 8:30 बजे घर से निकले थे, जिसके बाद वे वापस नहीं लौटे। परिजनों के अनुसार, पूरी रात और रविवार सुबह तक उनकी तलाश जारी रही। इसी दौरान सूचना मिली कि विकास नगर स्टैंडिम के पीछे सुरेश चौहान का स्कूटर खड़ा है। मौके पर पहुंचने पर स्कूटर पर खून के छींटे मिले, जबकि उनका पर्स स्टैंडिम गेट के पास कुछ दूरी पर पड़ा मिला।

घटनास्थल की स्थिति देखकर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद महेश चौहान ने आसपास लगे ष्ण्डा कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज के आधार पर संदेह सुरेश देवांगन नाम के युवक पर गया, जिसकी जानकारी पुलिस को दी गई। बताया गया कि महेश



चौहान पहले ही गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा चुके थे। पुलिस ने संदेह के आधार पर सुरेश देवांगन को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पीछे से सुरेश चौहान का शव बरामद किया गया। मृतक के भाई ने आशंका जताई है कि हत्या रूपयों के लालच में की गई हो सकती है। उनका कहना है कि सुरेश अपने पास नकद राशि रखते थे और सोने की तीन अंगुठियां

पहनते थे, जिनमें से दो अंगुठियां गायब हैं। साथ ही पर्स का घटनास्थल से दूर मिलना लूट की आशंका को और मजबूत करता है। महेश चौहान ने यह भी आशंका जताई कि इस वारदात में एक से अधिक लोगों की संलिप्तता हो सकती है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और जल्द ही प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पूरे घटनाक्रम का खुलासा करने की बात कही जा रही है।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुम इंसान को दस्तयाब कर परिजनों को किया सुपर्द

कोण्डागांव। प्रार्थी रतनलाल मरकाम पिता अगुनराम मरकाम निवासी सोहंगा थाना माकड़ी ने 6 अप्रैल 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसकी पुत्री पिंकी मरकाम पिता रतनलाल मरकाम निवासी सोहंगा जो कि घटना 31 मार्च 2026 को घर में किसी को बिना बताये कहीं चली गई है कि रिपोर्ट पर थाना माकड़ी में गुम इंसान क्रमांक 03/2026 6 अप्रैल 2026 पंजीबद्ध कर जांच पता तलाश में लिया गया था। जांच पता तलाश दौरान पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव त्रिलोक बंसल के निर्देशानुसार, अति० पुलिस अधीक्षक कपिल चन्द्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कोण्डागांवरूपेश कुमार के मार्गदर्शन में ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेन्द्रसिंह चौहान के नेतृत्व में टीम गठित कर गुम इंसान का लगातार



पता तलाश किया जा रहा था। पता तलाश दौरान गुम इंसान पिंकी मरकाम को 10 अप्रैल को

कोंडागांव बाजार पारा में दस्तयाब कर थाना लाकर उसके परिजन को सुपर्दनामा पर दिया गया है।

डीएमएफ से होगा कोरबा जिला का अतिरिक्त विकास : लखनलाल देवांगन

कोरबा। छ३ीसमण्ड शासन के वाणिज्य, उद्योग, आबकारी, सार्वजनिक उपक्रम एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मु३य आतिथ्य में कले३ट्टर कोरबा

सभाकक्ष में जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा की शासी परिषद की बैठक आयोजित हुई। बैठक में वि३य वर्ष 2026३27 के स्वीकृत कार्यों की प्रगति, पूर्ण कार्यों की कार्यों३र स्वीकृति तथा आगामी वर्ष की कार्ययोजना को अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर कोरबा की सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत, कटघोरा के विधायक प्रेमचंद पटेल, पाली३तानाखार विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम, रामपुर विधायक फूल सिंह राठिया, जलपौर पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार सिंह, महापौर संजू देवी राजपूत सहित शासी परिषद के सदस्यगण अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता कले३टर एवं पदेन अध्यक्ष कुणाल दुदावत ने की। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी,

वनमंडलाधिकारी प्रेमलता यादव, कुमार निशांत, पदेन सचिव जिला पंचायत सीईओ दिनेश नाग समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान डीएमएफ मद से संचालित कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। अपने उद्बोधन में मंत्री देवांगन ने कहा कि जनप्रतिनिधियों

के सहयोग और जनता की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जिले में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अन्य योजनाओं के साथ३साथ डीएमएफ मद से भी कोरबा जिले में अतिरि३त विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज अनुमोदित कार्यों में स्कूल, आंगनबाड़ी भवन, स्वास्थ्य सेवा३र्, पेयजल आपूर्ति, सड़क निर्माण तथा पु३लियों के निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं।

इनोवेशन महाकुंभ 1.0 के पोस्टर का विमोचन



बीजापुर। बस्तर विश्वविद्यालय में आगामी 4 एवं 5 मई को आयोजित होने वाले इनोवेशन महाकुंभ 1.0 के पोस्टर विमोचन बीजापुर कले३टर सचिव मिश्रा और पुलिस अधीक्षक डॉ जितेंद्र यादव ने किया एवं युवाओं से इस आयोजन में अधिक से अधिक सहभागिता का अपील की। इस गरिमामय अवसर पर डॉ सुमीत दास संभागीय स्वावलंबन केंद्र प्रमुख,अशोक राव,हरिहर साहनी,हितेश साहनी,आदीप शर्मा

प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इनोवेशन महाकुंभ कार्यक्रम को लेकर भाजपा जिला महामंत्री फूलचंद गांगड़ा ने कहा यह भव्य आयोजन नवाचार, उद्यमिता एवं आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, और यह कार्यक्रम निरंतर सफलता की ओर अग्रसर है। क्षेत्र के आदिवासी युवा इस कार्यक्रम में भाग ले और कोई नया प्रत्यय हो ऐसे युवाओं को सहयोग और मार्गदर्शन मिलेगा।

प्रदेश में कानून नहीं, जंगलराज चल रहा : दीपक बैज

रायपुर। पूरे प्रदेश में भाजपा की सरकार में जंगलराज चल रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अपराध का डर, भय खम्स हो गया है। भैरमगढ़ की घटना जिसमें एक नबालिक के साथ सामूहिक दुष्कर्म चिंता का विषय है। इस तरह की घटनाये पूरी प्रदेश में घट रही है। तीन दिन पहले दुर्ग में पांच साल की बच्ची से रेप, अंबिकापुर अथेड़ महिला के साथ रेप और रायपुर में झाड़ी में छुक्कर रात काटना पड़ रहा है। भाजपा के कांकेर जिला उपाध्यक्ष पर दुष्कर्म और यौन शोषण का आरोप लगे लगभग 1 महिने हो रहे है, अब तक एफआईआर नहीं लिखी गई, उल्टे पीछिठा पर अर्नुचित दबाव बनाया जा रहा है। प्रदेश रेप, चाकूबाजी, चोरी, डकैती चमस सीमा पर है। ऐसा लग रहा छ३ीसगढ़ में सरकार कही भी नहीं है और छ३ीसगढ़ भगवान भरोसे चल रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि रायधानी में लगातार चाकूबाजी की घटनाएं हो रही है। सरकार और पुलिस आपराधिक घटनाओं को रोक पाने में पूरी तरह विफल साबित हो रहे है। डीएसपी की

बेटी, आदिवासी संस्कृति पर कंटेन्ट बनाने वाली, एक आदिवासी छात्रा निवेदिता मांडवी को सोशल मीडिया पर गैररूप की धमकी मिल रही है। आदिवासी मु३यमंत्री के राज में गुंडे, मवालियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि आदिवासी बेटियां सुरक्षित नहीं है। पुलिस में शिकायत के बावजूद, पुलिस अधिकारी की बेटी के रिपोर्ट पर ही कार्यवाही में देरी हो रही है, ३या यही कानून का राज है? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भैरमगढ़ की घटना में भाजपा का प्रमुख नेता और कार्यकर्ता शामिल है। पूरे प्रदेश में हर घटना भाजपा का नेता और कार्यकर्ता शामिल रहते है। अफीम की खेती में भाजपा के नेता, बलरामपुर हत्या में भाजपा के नेता, भैरमगढ़ में भाजपा के नेता और प्रदेश के 50 प्रतिशत घटनाओं में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता शामिल है। प्रदेश में कानून व्यवस्था बची कहा है? प्रदेश में स३ीसरूढ़ दल के संरक्षण में इस तरह की अपराधिक घटनाये घट रही है तो यह चिंता का विषय है।

करोड़ों की लागत से बदल रहा पुसौर का स्वरूप : वित्त मंत्री चौधरी

रायपुर। प्रदेश के वि३ा मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी.चौधरी ने पुसौर में निर्माणधीन लाइब्रेरी भवन, पुष्पाटिका उद्यान, चंदन तालाब सहित अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर कार्यों की प्रगति एवं गुणव३ा का सूक्ष्म परीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा३निर्देश दिए। उन्होंने कहा निर्माण स्थल पर जाकर प्रत्यक्ष रूप से कार्यों की स्थिति देखना, बुनियादी ढांचे का विकास कराना हम सभी की जि३मेदारी है ङ उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणव३ा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधितों के विरुद्ध स३ीत कार्रवाई की जाएगी।

वि३ा मंत्री चौधरी ने नगर पंचायत पुसौर के सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों की प्रगति का गहन मूल्यांकन किया।



उन्होंने अधिकारियों से विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए कार्यों को निर्धारित समय३सीमा में पूर्ण करने तथा गुणव३ा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य शासन की मंशा के अनुरूप विकास कार्यों को धरातल पर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है, ताकि आमजन को योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। बैठक में उन्होंने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर देते हुए कहा कि सभी के संयु३ित

प्रयासों से ही क्षेत्र का समग्र एवं संतुलित विकास संभव है। साथ ही उन्होंने पार्षदों एवं जनप्रतिनिधियों से सकारात्मक सहयोग प्रदान करने तथा विकास कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की। उल्लेखनीय है कि नगर पंचायत पुसौर में पुष्पाटिका उद्यान निर्माण हेतु लगभग 2 करोड़ 92 लाख 40 हजार रुपये, बोरोडीपा चौक से कॉलेज तक बी.टी. रोड एवं नाली निर्माण के लिए 4 करोड़ 8 लाख रुपये, चंदन तालाब के सौंदर्यिकरण के लिए 2 करोड़ 10 लाख 40 हजार रुपये तथा लाइब्रेरी भवन

निर्माण के लिए लगभग 99.12 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई। इसके अतिरि३त तेलीतार तालाब के गहरीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्य भी प्रगति पर है, जिससे क्षेत्र की सौंदर्य वृद्धि के साथ जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर नगर पंचायत पुसौर के अध्यक्ष मानी मोहित सतपथी, कले३टर मयंक चतुर्वेदी, अपर कले३टर अपूर्व प्रियेश टोप्यो, एसडीएम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं नगर पंचायत पुसौर के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति थी ।

थाना माकड़ी पुलिस ने किया छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्यवाही



कोण्डागांव । पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव त्रिलोक बंसल के निर्देशानुसार, अति. पुलिस अधीक्षक कपिल चन्द्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कोण्डागांवरूपेश कुमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेन्द्रसिंह चौहान के नेतृत्व में टीम गठित कर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्य३ितियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाकर लघुअधिनियम के तहत कार्यवाही की जा रही है, इसी तारत३य में 11 अप्रैल मुखबार सूचना प्राप्त हुई थी

की ग्राम लुभा मेला स्थल के पीछे कुछ व्य३ित खुडखुडिया नामक जुआ खेला रहे है कि सूचना पर मौके पर पहुंच कर घेराबंदी कर दबिश दी गई जुआ खेलाने वाले एक व्य३ित जिसका नाम रामचन्द्र नेताम पिता स्व. कारियाराम नेताम मनोबल बतला सड़कपारा थाना माकड़ी, जिला३ कोण्डागांव (छ.ग.) को हिरासत में लेकर आरोपी के विरुद्ध छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3 (2) के तहत वैधानिक कार्यवाही किया गया।

बिजली कटौती से परेशान किसानों ने घेरा बिजली विभाग का कार्यालय, सौपा झापन

कोण्डागांव। गर्मी के मौसम में पावर कट की समस्या दिन३प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जिससे सबसे अधिक परेशानी ग्रामीण क्षेत्र के किसानों को हो रही है। अपनी समस्या के निजात के लिए किसान विद्युत विभाग के कार्यालय पहुंचकर अपना आक्रोश व्य३ित कर रहे हैं। सोमवार सुबह दहीकोंगा क्षेत्र के ग्रामीणों ने बिजली कटौती से नाराज होकर दहीकोंगा वितरण केंद्र कार्यालय का घेराव किया, जिसके बाद समस्या के निदान के लिए अधिकारियों को जापन सौपा गया। इससे पूर्व बडेबंदरी गांव के ग्रामीणों ने भी कोण्डागांव के विद्युत कार्यालय का घेराव कर जापन सौपा था। दहीकोंगा के आक्रोशित ग्रामीणों ने जापन सौंपते हुए बताया कि, क्षेत्र में विद्युत विभाग द्वारा पूर्व घोषणा के



अनुसार 4 घंटे का शेड्यूल तय कर पावर कट किया जा रहा है। इसके बावजूद विभाग इन चार घंटों के अतिरि३त कभी भी बिजली कट देता है। पहले ही चार घंटे की कटौती की जा रही है, उसके बाद भी अतिरि३त

कटौती रुक नहीं रही है। ऐसे में रवि फसलों की सिंचाई प्रभावित हो रही है, वहीं गर्मी से राहत पाने के लिए घरों में लगे विद्युत उपकरण भी बंद पड़े हैं। परेशान किसानों ने गर्मी और सिंचाई की समस्या से निजात पाने के लिए

विद्युत कार्यालय पहुंचकर अपनी समस्या के समाधान के लिए जापन सौपा है। इसी प्रकार बडेबंदरी के ग्रामीण भी परेशान हैं और उन्होंने भी कोण्डागांव में अपनी समस्या के समाधान के लिए जापन सौपा है।

दंतेवाड़ा जिले की प्रगति में एएम/एनएस इंडिया की सक्रिय भागीदारी

किरंदुल। औद्योगिक उत्कृष्टता के साथ सामाजिक सरोकारों को आत्मसात करते हुए आसेलमि३ल निप्पन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) ने पिछले एक सप्ताह के दौरान दंतेवाड़ा जिले के विभिन्न अंचलों में विकास और सेवा की एक नई नींव रखी है। कंपनी ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जि३मेदारी (सीएसआर) के तहत न केवल अर्थोसंरचना को मजबूती प्रदान की है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, खेल प्रतिभाओं और महिला स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषयों पर भी जमीनी स्तर पर ठोस कार्य किए हैं। किसानों को आर्थिक रूप से सश३त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए टिकनपाड ग्राम पंचायत के किसानों को पाइप वितरित किए गए, ताकि खेतों के अंतिम छोर तक सिंचाई की सुविधा निबांध रूप से पहुँच सके और खी व खरीफ को फसलों का बेहतर उत्पादन सुनिश्चित हो सके। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की



उपल३धता को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए एएम/एनएस इंडिया ने किरंदुल बस्ती के नरियापारा में वर्षों से खराब पड़े हैंडपंपों का त्वरित बसतीवासियों को बड़ी राहत मिली है। जल संकट के स्थायी समाधान हेतु कंपनी की तकनीकी टीम ने मड़कामौरास, किरंदुल में गोणपाल गांवों में वैज्ञानिक पद्धति से भूजल स्तर

का सूक्ष्म परीक्षण किया है। इस सर्वे के आधार पर भविष्य में नए बोरवेल स्थापना के लिए उपयु३ित स्थलों का चयन कर लिया गया है, जिससे आने वाले समय में इन क्षेत्रों में पानी की किल्लत पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को मु३यधारा से जोड़ने के अपने संकल्प को दोहराते हुए कंपनी ने गोणपाल ग्राम पंचायत में आयोजित भव्य टेनिस बॉल

क्रिकेट टूर्नामेंट में मु३य सहयोगी की भूमिका निभाई। इस खेल महाकुंभ में बस्तर अंचल की कुल 32 टीमों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया, जहाँ विजेताओं को प्रशंसा और उनकी मनोबल बढ़ाया गया।एएम/एनएस इंडिया प्रबंधन ने इस अवसर पर स्पष्ट किया कि वे स्थानीय समुदाय के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने और बस्तर की धरा पर खुशहाली लाने के लिए निरंतर समर्पित रहेंगे।

बिहार में संभावनाएं विकास की: अब सत्ता सम्राट की



ललित गर्ग

नीतीश कुमार का व्यक्तित्व एक संतुलित, संयमित और व्यावहारिक नेता के रूप में उभरता है। वे आक्रामक राजनीति के बजाय संवाद और सहमति की राजनीति के पक्षधर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठाकर विकास के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास किया।

बिहार की राजनीति लंबे समय से बदलाव, प्रयोग और नेतृत्व के उतार-चढ़ाव का साक्षी रही है। ऐसे परिदृश्य में जब लंबे इंतजार और जटिल कूटनीतिक समीकरणों के बाद पहली बार भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में शासन स्थापित होने की स्थिति बनती है और सम्राट चौधरी जैसे नेता मुख्यमंत्री के रूप में उभरते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक संभावित राजनीतिक और प्रशासनिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह क्षण बिहार के लिए एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है, जहां अपेक्षाएं केवल शासन परिवर्तन की पात्रता, बल्कि शासन की गुणवत्ता, दृष्टि और परिणामों की भी हैं। नये मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी के सामने न सिर्फ बिहार की जनता में एक कुशल प्रशासक की छाप छोड़ने की चुनौती है, बल्कि पार्टी की अपेक्षाओं एवं नीतीश कुमार द्वारा खींची रेखाओं से आगे निकलने के संघर्ष में भी उन्हें खरा उतरना होगा। सम्राट को उससे आगे ऐसा कुछ करना होगा, ताकि भाजपा उसके आधार पर भविष्य की दावेदारी पेश कर सके एवं अपने बल पर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की पात्रता विकसित कर सके। बिहार में भाजपा का एक नया अध्याय शुरू हो रहा है, सम्राट के भरोसे से। सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री के रूप में चयन कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। वे कोई अप्रत्याशित या अपरिचित चेहरा नहीं हैं। बिहार की राजनीति में सक्रिय रहते हुए, उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और विभिन्न राजनीतिक धाराओं से गुजरते हुए उन्होंने राज्य की जटिलताओं को निकट से समझा है। उनकी राजनीतिक यात्रा उन्हें एक व्यावहारिक नेता के रूप में स्थापित करती है, जो केवल सिद्धांतों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन की वास्तविकताओं से भी जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि उनके नेतृत्व से बिहार की जनता को एक ऐसे प्रशासन की उम्मीद है जो नीतिगत स्पष्टता के साथ-साथ क्रियाव्ययन की क्षमता भी रखता हो। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि बिहार में नेतृत्व का मूल्यांकन केवल व्यक्ति के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी नीतियों, प्राथमिकताओं और परिणामों के आधार पर होता है। पिछले वर्षों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से सामने आई है कि शासन की सफलता का निर्धारण केवल मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व से नहीं, बल्कि उस व्यापक नीति-ढांचे से होता है जो केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करता है। भारतीय राजनीति में यह एक नया आयाम है, जहां केंद्र सरकार की नीतियां राज्यों के विकास की दिशा को काफ़ी हद तक प्रभावित करती हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों के उदाहरण इस बात



को पुष्ट करते हैं कि अपेक्षाकृत कम चर्चित चेहरों के बावजूद विकास की गति तेज रह सकती है, यदि नीतिगत समर्थन और प्रशासनिक इच्छाशक्ति मजबूत हो। बिहार के संदर्भ में यह पहलू और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह राज्य लंबे समय तक अवसररचनात्मक पिछड़ेपन, बेरोजगारी, पलायन और सामाजिक विषमताओं से जूझता रहा है। ऐसे में सम्राट चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वे इन जटिल समस्याओं के समाधान के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करें। केवल राजनीतिक स्थिरता पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि उसे विकासात्मक स्थिरता में परिवर्तित करना होगा। सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों में निरंतर सुधार के साथ-साथ रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना होगा, ताकि बिहार के युवाओं को अपने ही राज्य में अवसर मिल सकें। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि बिहार के हालिया इतिहास में यदि किसी नेता ने प्रशासनिक सुधार और सुशासन की एक स्पष्ट छवि प्रस्तुत की है, तो वह नीतीश कुमार हैं। उन्होंने जिस समय सत्ता संभाली, उस समय बिहार 'जंगलराज' की छवि से जूझ रहा था। कानून-व्यवस्था की स्थिति दयनीय थी, अवसररचना लगभग ध्वस्त थी और राज्य की छवि राष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक थी। ऐसे समय में नीतीश कुमार ने सड़क, बिजली और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किए। विशेष रूप से बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए साइकिल

योजना जैसी पहलें सामाजिक परिवर्तन का आधार बनीं। उन्होंने प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही को भी बढ़ाने का प्रयास किया, जिससे शासन के प्रति जनता का विश्वास पुनः स्थापित हुआ। नीतीश कुमार का व्यक्तित्व एक संतुलित, संयमित और व्यावहारिक नेता के रूप में उभरता है। वे आक्रामक राजनीति के बजाय संवाद और सहमति की राजनीति के पक्षधर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठाकर विकास के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास किया। हालांकि समय के साथ उनकी राजनीतिक रणनीतियों और गठबंधनों में बदलाव ने उनकी छवि को कुछ हद तक प्रभावित भी किया, लेकिन उनके द्वारा स्थापित प्रशासनिक मानक आज भी बिहार के लिए एक संदर्भ बिंदु बने हुए हैं। सम्राट चौधरी के लिए यह एक बड़ी चुनौती और अवसर दोनों है कि वे इन स्थापित मानकों को न केवल बनाए रखें, बल्कि उन्हें और आगे बढ़ाएं। उन्हें यह समझना होगा कि बिहार की जनता अब केवल वादों से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि परिणाम चाहती है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभी भी सुधार की व्यापक संभावनाएं हैं। सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता, उच्च शिक्षा के अवसर, अस्पतालों की स्थिति और चिकित्सकीय सुविधाओं का विस्तार ऐसे क्षेत्र हैं जहां ठोस कार्य की आवश्यकता है। इसके साथ ही ग्रंथचार एक ऐसी समस्या है जो किसी भी विकासात्मक

प्रयास को कमजोर कर सकती है। यदि सम्राट चौधरी वास्तव में एक प्रभावी और जनोन्मुखी शासन स्थापित करना चाहते हैं, तो उन्हें प्रशासनिक स्तर पर ग्रंथचारमुक्त शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। डिजिटल गवर्नेंस, ई-टेंडरिंग और निगरानी तंत्र को सशक्त बनाकर इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं। महिला सशक्तिकरण भी बिहार के विकास का एक महत्वपूर्ण आयाम है। पिछले वर्षों में इस दिशा में कुछ सकारात्मक पहलें हुई हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाना राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए अनिवार्य है। यदि सम्राट चौधरी इस क्षेत्र में ठोस और नवाचारी कदम उठाते हैं, तो यह बिहार की प्रगति को एक नई दिशा दे सकता है। पलायन की समस्या भी बिहार के लिए एक स्थायी चुनौती रही है। लाखों लोग रोजगार की तलाश में अन्य राज्यों में जाते हैं, जिससे न केवल राज्य की श्रमशक्ति का क्षरण होता है, बल्कि सामाजिक संरचना पर भी प्रभाव पड़ता है। इस समस्या का समाधान केवल उद्योगों के विकास और स्थानीय रोजगार के अवसरों के सृजन से ही संभव है। कृषि आधारित उद्योग, लघु और मध्यम उद्योग तथा स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देकर इस दिशा में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। निश्चिततौर पर यह कहा जा सकता है कि बिहार आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां अतीत के अनुभव, वर्तमान की अपेक्षाएं और भविष्य की संभावनाएं एक साथ उपस्थित हैं। सम्राट चौधरी के नेतृत्व में यह राज्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा, यह उनके निर्णयों, नीतियों और कार्यशैली पर निर्भर करेगा। यदि वे नीतीश कुमार द्वारा स्थापित सुशासन के मानकों को आधार बनाते हुए उवाचार और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ते हैं, तो बिहार न केवल अपने पुराने कलंक से पूरी तरह मुक्त हो सकता है, बल्कि एक विकसित और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में भी उभर सकता है। यह समय केवल नेतृत्व परिवर्तन का नहीं, बल्कि सोच और दृष्टिकोण के परिवर्तन का है। बिहार की जनता अब जागरूक है, अपेक्षाएं स्पष्ट हैं और अवसर भी व्यापक हैं। ऐसे में सम्राट चौधरी के लिए यह आवश्यक है कि वे व्यक्ति-आधारित राजनीति से ऊपर उठकर नीतियों और परिणामों पर केंद्रित शासन प्रस्तुत करें। यदि वे ऐसा कर पाते हैं, तो न केवल वे अपने नेतृत्व की सिद्ध करेंगे, बल्कि बिहार को एक नई पहचान भी देंगे-एक ऐसे राज्य के रूप में जो संपर्क से उबरकर सफलता की नई गथा लिखने में सक्षम है।

संपादकीय

बढ़ेगा गरीबी का दायरा

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम यानी यूएनडीपी की पश्चिम एशिया युद्ध से भारत पर पड़ने वाले प्रभावों को उजागर करने वाली रिपोर्ट के निष्कर्ष चिंता बढ़ाने वाले हैं। रिपोर्ट बताती है कि खाड़ी में ईरान-अमेरिकी युद्ध से उभजी परिस्थितियों के चलते भारत में और 25 लाख लोग गरीबी की दलदल में फँस सकते हैं। साथ ही मानव विकास की प्रगति में कुछ कमी आने की आशंका पैदा हो गई है। रिपोर्ट इस बात का भी खुलासा करती है कि पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियों में वृद्धि से एशिया प्रशांत क्षेत्र में मानव विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। रिपोर्ट बताती है कि ईंधन, मालभाड़ा और कच्चे माल की लागत बढ़ने से लोगों की घरेलू क्रयशक्ति घट रही है, जिससे खाद्य असुरक्षा भी बढ़ रही है। वहीं विकास कार्यों के लिए निर्धारित सरकारी बजट पर भी अतिरिक्त दबाव बढ़ रहा है। इसके अलावा आजीविका के अवसर कम हो रहे हैं। इस संकट में जहां पूरे विश्व में 88 लाख लोगों के गरीबी की चपेट में आने की आशंका है, वहीं भारत में यह अनुमानित संख्या 25 लाख है। रिपोर्ट में पश्चिम एशिया में तनाव के चलते एशिया-प्रशांत में तकरीबन 299 अरब डॉलर तक का नुकसान होने की आशंका है। हालांकि, भारत को बड़ी आबादी के सामने बढ़ने वाली गरीबों की संख्या छोटी है, लेकिन इससे भारत में गरीबी की दर बढ़ सकती है, जिसके 35.40 करोड़ होने की आशंका है। दरअसल, अब भी भारत करीब 90 फीसदी तेल जरूरतों के लिए आयात पर आश्रित है। हम कच्चे तेल का 40 फीसदी से अधिक और रसोई गैस का 90 फीसदी आयात पश्चिम एशिया से करते हैं। साथ ही हम अपने उर्वरकों का 40 फीसदी हिस्सा युद्धग्रस्त पश्चिमी एशिया से आयात करते हैं। एलएनजी की कीमतों में वृद्धि से कोयला आधारित बिजली पर हमारी निर्भरता बढ़ी है। वहीं दूसरी ओर व्यापार व आपूर्ति श्रृंखला भी प्रभावित हुई। आशंका है कि संघर्ष से रैमिटेस में भी कमी आएगी। निस्संदेह, मालभाड़ा शुल्क, युद्ध जोखिम बीमा, मार्ग परिवर्तन और देरी की वजह से आयातित तेल आदि की कीमतों में वृद्धि हो रही है, जिससे हमारे आयात मूल्य में वृद्धि व निर्यात का नुकसान बढ़ा है। असर हमारी खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। वहीं खाद की आपूर्ति में बाधा का असर खरीफ की फसल पर पड़ने की आशंका है। इस सब के चलते बढ़े दामों का प्रभाव आम आदमी की जेब पर हो रहा है, जिसका रोजगार और आय के मामले में असर बड़ी आबादी पर नजर आ रहा है। हाल ही में नोएडा और मानेसर में श्रमिक असंतोष को इसकी परिणति के रूप में महसूस किया जा सकता है। दरअसल, आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो रही है। आर्थिक पेशानियों के चलते आम आदमी अब अपने जरूरी खर्चों में कटौती कर रहा है। वजह है उसकी आय के सापन्न सीमित होना।

चिंतन-मनन

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

परिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सामान्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे। एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतारते हैं। आज हम जितने बड़े वृद्धा-वृद्धी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए। परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दर्शाता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए। जिससे हमारा जीवन और हमारे परिवार का जीवन सार्थक होगा।



कातिलाल मांडेते

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर एक बार फिर चिंता गहराती नजर आ रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल के कारण भारत में भी ईंधन महंगा होने की आशंका बढ़ गई है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट के अनुसार, पेट्रोल की कीमतों में लगभग 18 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 35 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ोतरी संभव है। यह संभावित वृद्धि ऐसे समय में सामने आई है जब देश के कई राज्यों में चुनावी माहौल है और फ्लिहाल कीमतों को स्थिर रखा गया है। सरकारी जैसे देश में जहां ऊर्जा की जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर करता है, वहां कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव सीधे आम लोगों की जिंदगी को प्रभावित करता है। बिहार अपनी जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। इसमें से एक बड़ा हिस्सा मध्य पूर्व और रूस जैसे क्षेत्रों से आता है।



उमेश चतुर्वेदी

बीते तीस मार्च को गुहमंत्रो अमित शाह ने लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहे माओवादी और नक्सली आतंकवाद के खाने का औपचारिक अंत की घोषणा कर दी है। कई माओवाद हो या नक्सलवाद, दोनों ही धाराएं उग्रपंथी वामपंथ से प्रभावित रही हैं। इनका मानना रहा है कि सत्ता बंदूक की नली या बारूद से निकलती है। इसी विचारधारा के तहत इस वैचारिकी ने भारत के तकरीबन एक तिहाई जिलों पर अरसे तक कब्जा जमाए रखा। इस विचारधारा से प्रभावित लाल आतंक एक दौर में पशुपति से लेकर तिरूपति तक फैला हुआ था। लेकिन अब यह निस्तेज हो चुका है। ज्वादातर नक्सली या माओवादी लड़ाई के या तो हथियार डाल कर मुखधारा की जिंदगी में वापस लौट गए हैं या फिर सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए हैं। लेकिन अब भी इस विचारधारा से प्रभावित एक वर्ग बचा हुआ है। जिसका सत्ता के प्रतिष्ठानों पर भले ही प्रभाव ना हो, लेकिन तंत्र पर उसका प्रभाव अब भी है। मार्च 2022 में जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद और कश्मीरी पीड़ितों के घाटी छोड़ने की पशुभूमि पर एक फिल्म आई थी। हृदय कश्मीर फाइल्सह नामक इस फिल्म में एक संवाद है, सत्ता भले ही उनकी है, लेकिन सिस्टम अपना है। इस संवाद में जिस सिस्टम की ओर इशारा है, वह नक्सली तंत्र पर उसका ही प्रभाव है। कहना न होगा कि यह प्रभावी तत्वाका वैसी ही उग्र वामपंथी विचारधारा से प्रभावित है, जिसके बारूदी रूख के अंत का ऐलान गुहमंत्रो अमित शाह ने किया है। कभी दिल्ली विश्वविद्यालय में सक्रिय अफिलार भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिज्ञासु कार्यकर्ताओं ने इसे ह्राअर्बन

ऐसे में वैश्विक राजनीतिक तनाव, युद्ध या आपूर्ति में कमी का असर सीधे भारतीय बाजार पर पड़ता है। पिछले कुछ हफ्तों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। करीब डेढ़ महीने के भीतर ही कीमतों में 27 डॉलर प्रति बैरल तक का उछाल दर्ज किया गया है। इस बढ़ोतरी ने तेल कंपनियों पर भारी दबाव बना दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, तेल कंपनियां हर लीटर पेट्रोल पर करीब 18 रुपए और डीजल पर 35 रुपए तक का नुकसान झेल रही हैं। कुल मिलाकर यह नुकसान प्रतिदिन लगभग 1600 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जो पहले 2400 करोड़ रुपए के स्तर तक भी जा चुका था।

सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी में कुछ कटौती किए जाने के बावजूद यह राहत पर्याप्त साबित नहीं हो रही है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार का तेल पर मिलने वाला राजस्व भी घटा है। जहां 2017 में यह 22 प्रतिशत था, वहीं अब घटकर करीब 8 प्रतिशत रह गया है। इसका मतलब यह है कि सरकार के पास भी कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सीमित विकल्प बचे हैं। यदि सरकार पूरी तरह से एक्साइज ड्यूटी हटा दी दे, तब भी कंपनियों के घाटे की पूरी भरपाई संभव नहीं है।

इस स्थिति का एक बड़ा कारण वैश्विक स्तर पर बढ़ता तनाव भी है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष, विशेष रूप से ईरान और यूनाइटेड स्टेट्स के बीच बढ़ती खींचतान, कच्चे तेल की आपूर्ति को प्रभावित कर रही है। आपूर्ति में कमी और मांग में स्थिरता या वृद्धि के कारण कीमतें तेजी से ऊपर जा रही हैं। इसका असर केवल ईंधन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ईंधन की कीमतें बढ़ने का सीधा असर परिवहन लागत पर पड़ता है, जिससे हर वस्तु की कीमत बढ़ जाती है। खाद्य तेल, साबुन, औषु, बिरिस्ट और अन्य रोजमर्रा के उत्पाद महंगे होने लगते हैं। कई कंपनियां कीमतें बढ़ाने के बजाय पैकेट का आकार छोटा कर देती हैं, जिसे हार्थिकफ्लेशनह कहा जाता है। इससे उपभोक्ताओं पर अप्रत्यक्ष रूप से बोझ बढ़ता है। खाद्य तेल की बात करें तो भारत अपनी जरूरत का लगभग 57 प्रतिशत आयात करता है। कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से इनके दाम भी बढ़ गई हैं। इसका असर सीधे उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहा है। घरेलू उपकरणों के क्षेत्र में भी लागत में 10 से 15 प्रतिशत तक की वृद्धि हो चुकी है। कंपनियां इसका बड़ा हिस्सा पहले ही ग्राहकों पर डाल चुकी हैं और आगे भी कीमतें बढ़ने की संभावना बनी हुई है। कपड़ा उद्योग में सिंथेटिक फाइबर की कीमतें 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं, जिससे कपड़ों के दाम भी बढ़ेंगे। पेंट उद्योग में भी लागत में वृद्धि के कारण 2 से 5 प्रतिशत तक कीमत बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। इस पूरी स्थिति का एक और महत्वपूर्ण पहलू देश का चालू खाता घाटा है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण भारत का चालू खाता घाटा बढ़ सकता है। अनुमान है कि 2026 की पहली तिमाही

में यह 20 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह देश की आर्थिक स्थिरता के लिए चिंता का विषय है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ईंधन की कीमतों में वृद्धि देखी जा रही है। यूनाइटेड स्टेट्स में पेट्रोल की औसत कीमतें 4 डॉलर प्रति गैलन के पार पहुंच गई हैं, जो पिछले कुछ वर्षों में एक महत्वपूर्ण स्तर माना जाता है। भारत के पड़ोसी देशों जैसे पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका में भी ईंधन की कीमतों में वृद्धि की गई है। फ्लिहाल भारत में कीमतों को स्थिर रखा गया है, लेकिन यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहना मुश्किल है। जैसे ही चुनावी प्रक्रिया समाप्त होगी, कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। यदि ऐसा होता है तो इसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ेगा और महंगाई में और वृद्धि होगी। इस परिस्थिति में सरकार के सामने संतुलन बनाए रखने की चुनौती है। एक ओर कंपनियों के घाटे को कम करना जरूरी है, तो दूसरी ओर आम जनता को राहत देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लिए दीर्घकालिक समाधान की आवश्यकता है, जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की बढ़ावा देना, आयात पर निर्भरता कम करना और ऊर्जा दक्षता में सुधार करना।

अंततः यह स्पष्ट है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में संभावित वृद्धि केवल एक आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव भी रखती है। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार और तेल कंपनियां इस चुनौती से कैसे निपटती हैं और आम जनता को कितनी राहत मिल पाती है।

लेकिन शहरी माओवाद पर कैसे लगे लगाम

नक्सलहू कहा था। अर्बन यानी शहरी नक्सल। याद कीजिए, छह अप्रैल 2010 की घटना, जब बस्तर में सीआरपीएफ के 74 जवानों को घेरकर नक्सलियों ने बारूदी सुरंगों के जरिए उड़ाकर मार डाला था। इस लोमहर्षक कार्रवाई भारतीय राष्ट्र राज्य पर अर्बन नक्सल समुदाय ने बड़ी जीत के रूप में देखा था। राजधानी दिल्ली में लाल गढ़ के रूप में विख्यात जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने इस कार्रवाई पर खुले आम खुशियां जताई थीं। तमाम विश्वविद्यालयों के वामपंथी प्रोफेसर्स और छात्रों के एक समूह ने इस लोमहर्षक हत्या कांड को भारतीय राज व्यवस्था पर नक्सली जीत के रूप में लिया था। बस्तर की इस घटना के बाद तत्कालीन मनमोहन सरकार सकते में थी। उसने समानांतर सत्ता चला रहे नक्सली और माओवादी आतंकियों पर हवाई कार्रवाई करने का विचार शुरू कर दिया था। लेकिन शहरी इलाकों के वामपंथी बुद्धिजीवियों ने इसका विरोध शुरू किया। तंत्र में इनकी उपस्थिति कितनी प्रभावी है, इससे ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि मनमोहन सरकार ने नक्सली हिंसा का प्रभावी जवाब देने का विचार त्याग दिया था। नक्सलवाद कहें या माओवाद या फिर वामपंथ की कोई अन्य धारा, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, पत्रकारिता, स्वयंसेवी संगठनों, कलाकृत, अस्पतालों, प्रशासनिक व्यवस्था और कर्मचारीतंत्र में भी इनके प्रभाव लोग अब भी मिल जाएंगे। अरूंधती रॉय, हर्ष मंदर, प्रशांत भूषण जैसे प्रसिद्ध बुद्धिजीवी तो खुद ही मानते हैं कि वे इस विचारधारा से हैं। तंत्र में इस विचारधारा के प्रभावी होने की शुरुआत 1969 में कांग्रेस के विभाजन से होती है। तब अपनी केंद्रीय सत्ता को बचाने के लिए इंदिरा गांधी को वामपंथी दलों के सहयोग की जरूरत थी। उन्होंने सहयोग किया भी, बदले में शैक्षिक संस्थानों पर उनका प्रभाव बढ़ा। इसकी वजह यह रही कि इंदिरा सरकार ने शोध और शैक्षिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों को इन्हीं के हवाले कर दिया। इस विचारधारा ने अपने ही लोगों को इन संस्थानों में खूब भरा। 2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आई तो

यह वैचारिकी पहले सकते में रही। बाद में इसने रणनीति और पैतृता बदला। शुरू में तो इस विचारधारा ने कभी पश्चिम बंगाल के जालदपुर विश्वविद्यालय में वैचारिकी आधारित आंदोलन छेड़ा तो कभी काशी हिंदू विश्वविद्यालय में लड़कियों से छेड़खानी के बहाने राष्ट्रवादी विचारधारा को निशाने पर लेकर आंदोलन चलाया। हैदराबाद विश्वविद्यालय में रोहित बेमुला के बहाने राष्ट्रवादी शासन व्यवस्था के दौरान कथित तौर पर दलितों और पिछड़ों के उत्पीड़न का आरोप लगाकर वैचारिक आंदोलन खड़ा किया। दो कृषि कानूनों के बदलाव के विरोध में लंबे समय तक चले किसान आंदोलन को भी इस वैचारिकी का खुला समर्थन रहा। दूध कानून गिराह इसी दौरान बेपर्दा हुए। नागरिकता संशोधन कानून को खिलाफ देशभर के अल्पसंख्यकों को भड़काने और उन्हें आंदोलन में लाने के पीछे भी यही विचारधारा रही। इन आंदोलनों के लंबे समय तक चलने, इनके लिए लोगों के एकत्रित होने की वजह से अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहरी नक्सलियों का कितना बड़ा नेटवर्क है और कितनी गहराई तक उनकी पहुंच है। मोदी सरकार के बाद राष्ट्रवादी विचारधारा को उम्मीद थी कि सत्ता केंद्रों और संस्थानों से इस विचारधारा की विदाई हो जाएगी। लेकिन अब भी यह विचारधारा प्रभावी तौर पर उपस्थित है। इस विचारधारा के कतिपय क्रांतिकारियों ने तो अब चोला तक बदल लिया है और मौजूदा सत्ता तंत्र में भागीदार भी बन चुके हैं। पत्रकारिता में अब भी इस विचारधारा के लोगों की भारी संख्या है। इसकी वजह से अब भी नैरेटिव का मायाजाल रचने में यह विचारधारा प्रभावी हो जाती है। नागरिक समाज में इस विचारधारा के लोग तभी पहचान में आते हैं, जब वे बहसों में हिस्सा लेते हैं या आंदोलनों में खुली भागीदारी करते हैं। अन्यथा समाज के सभी वर्गों की तरह इनको भी आसानी से सामान्य जन पहचान नहीं पाता। शहरी नक्सलवादियों की एक खासियत यह है कि वे खसा पड़ते लिखते हैं। इसलिए बहसों में उनकी भागीदारी प्रभावी होती है। लेकिन भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं का माखील उड़ाना उन्हें सबसे प्रिय है। वैसे भारतीय शैक्षिक संस्थानों में एक सोच गहरे तक पैठी

हुई है कि युवावस्था में जो वामपंथी नहीं हुआ, इसका अभिप्राय है कि उसमें कोई न कोई कमी है। इस सोच की बुनियाद और संवर्णनों में अपनी प्रभावी उपस्थिति के चलते यह विचारधारा अक्सर युवाओं को प्रभावित कर लेती है। उसके आगोश में आने के बाद युवा भारतीयता, भारतीय मूल्य और सांस्कृतिक परंपराओं का माखील उड़ाने लगता है, उसे पूजा-पाठ दफ्तियानूसी लगने लगता है। हालांकि अल्पसंख्यकों के धार्मिक और सांस्कृतिक कलाप उसे प्रगतिशीलता की निशानी लगने लगते हैं। इस तरह समाज के बीच वे अपनी वैचारिक धारा को बनाए रखने के जतन में जुटे रहते हैं। जंगलों, खेतों-खिलहानों और आदिवासी इलाकों में खून की होली खेलने, रेल की पटरियां उड़ाने, स्कूलों को उड़ाने वाली खुनी नक्सली और माओवादी विचारधारा के समर्थक और नेतृत्वकर्ता भले ही सुरक्षा बलों की कार्रवाई और समानांतर चलाई गई विकास योजनाओं के चलते खतम हो गए हों या हथियार डाल दिए हों, लेकिन किताबों, बहसों और नेरेटिव के सहारे लड़ाई चलाने वाले माओवादी और नक्सली अब भी बाकी हैं और तंत्र में प्रभावी मौजूदगी भी रखते हैं। कहा जाता है कि विचारधाराएं कभी नहीं मरती। उनके अनुयायियों की संख्या कम-ज्यादा जरूर हो सकती है। मौजूदा सामाजिक और राजनीतिक तंत्र ऐसा नहीं रहा कि हथियार के सहारे क्रांतियां कर ली जाएं और सुराएं बदल दी जाएं। ऐसा होता तो अमेरिका पूरी दुनिया पर राज कर रहा होता, क्योंकि उसकी सेना दुनिया की सबसे ताकतवर सेना है, उसके पास हथियारों का अकूत भंडार है। अब राजसत्ताओं को बारूद या बंदूक के जरिए नहीं बदला जा सकता। बारूद और बंदूक के सहारे सत्ता बदलने वाला तंत्र इस्तील्फ परस्त हो गया। लेकिन वैचारिक लड़ाई करने वालों को समानांतर खड़ा मजबूत वैचारिक तंत्र ही मात दे सकता है। दूसरी बात यह है कि वैचारिक तंत्र को जहां से खाद-पानी मिलता है, उस स्रोत को ही खत्म करके वैचारिकी को काबू में किया जा सकता है। वैचारिकी की बुनियाद पर जहर फैलाने वाले लोगों को सामाजिक तौर पर अलग-थलग करना भी इसे रोकने की रणनीति हो सकती है।





नरम एहसास और प्यार से सजी है साई पल्लवी-जुनैद खान स्टारर 'एक दिन' की कहानी, ट्रेलर हुआ रिलीज़ !

‘एक दिन’ का ट्रेलर आउट-साई पल्लवी और जुनैद खान की मैजिकल लव स्टोरी ने जगाई प्यार की उम्मीद !

आमिर खान प्रोडक्शंस की आने वाली फिल्म ‘एक दिन’, जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में हैं, एक प्यारी और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी का वादा करती है। वाकई यह एक ऐसी फिल्म है जिसका हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है। अपने रुहानी गानों के साथ एक शानदार माहौल बनाने के बाद, अब मेकर्स ने इसका एक दिलचस्प ट्रेलर रिलीज़ कर दिया है, जो उम्मीद और जादू से भरी एक प्रेम कहानी को बेहद खूबसूरती से पेश करता है। ‘एक दिन’ का ट्रेलर आखिरकार आ गया है, और यह एक जादुई प्रेम कहानी से रूबरू कराता है। जुनैद खान ने एक शमीले और थोड़े अलग लड़के का किरदार निभाया है, जिसे साई पल्लवी से प्यार हो जाता है, जो एक खुशमिजाज और जिंदादिल लड़की है। वैसे तो वे दोनों एक ही ऑफिस में काम करते हैं, लेकिन जुनैद उससे बात करने की हिम्मत नहीं जुटा पाते। हालांकि, कहानी में टिवस्ट तब आता है जब जापान में साई का एक्सीडेंट हो जाता है और वह ‘ट्रांजिएंट ग्लोबल एमनेशिया’ (TGA) की शिकार हो जाती है, जिसमें उसे सिर्फ जुनैद याद रहता है, जिसने उसकी जान बचाई थी। जहाँ यह मोड़ पूरी कहानी का रुख बदल देता है, वहीं यह देखना वाकई रोमांचक होगा कि यह प्रेम कहानी कैसे आगे बढ़ती है और क्या मोड़ लेती है।

ट्रेलर रिलीज़ होने के साथ ही यह साफ हो गया है कि एक शालीन, कोमल और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी आने वाली है। यह कहानी प्यार में यकीन रखने, उम्मीद को थामे रहने और जादू के होने का इंतजार करने के बारे में है। निश्चित रूप से, यह एक दुर्लभ कहानी है जो लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है। ‘एक दिन’ के जरिए आमिर खान और फिल्म मेकर मंसूर खान एक लंबे अरसे के बाद फिर साथ आए हैं, जिससे हिंदी सिनेमा की सबसे पसंदीदा क्रिएटिव जोड़ियों में से एक फिर से जिंदा हो गई है। साथ मिलकर उन्होंने दर्शकों को ‘क्यामत से क्यामत तक’, ‘जो जीता वही सिकंदर’, ‘अकेले हम अकेले तुम’ और ‘जाने तू... या जाने ना’ जैसी यादगार फिल्में दी हैं। ‘एक दिन’ के साथ यह जोड़ी एक बार फिर रोमांस जॉनर में लौट रही है, जिससे फैंस के बीच नया उत्साह पैदा हो गया है। उनके फिर से साथ आने ने उत्सुकता बढ़ा दी है, और दर्शक उस जादू को पर्दे पर दोबारा देखने के लिए बेताब हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म ‘एक दिन’ में साई पल्लवी और जुनैद खान मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है और इसे आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।



90 के दशक में मैगजीन मुझे और जेबा बख्तियार को एक-दूसरे के खिलाफ बताते थे प्रतिद्वंद्वी

आज के दौर में जहां सोशल मीडिया के जरिए फैंस सीधे अपने पसंदीदा सितारों से जुड़ जाते हैं, वहीं एक समय ऐसा भी था जब फिल्मी दुनिया की खबरें सिर्फ मैगजीन और अखबारों के जरिए ही लोगों तक पहुंचती थीं। उस दौर में जो छपता था, वही सच माना जाता था। 90 के दशक का बॉलीवुड इसी तरह के किस्सों से भरा हुआ है, जब सितारों के बीच की दोस्ती और रिश्तों को अवसर अलग रंग देकर पेश किया जाता था। अब उसी दौर को याद करते हुए अभिनेत्री सोमी अली ने एक पुराना किस्सा साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें और जेबा बख्तियार को लेकर मैगजीन ने गलत छवि बनाई थी। सोमी अली ने अपने सोशल मीडिया पर एक थ्रैबैक पोस्ट शेयर करते हुए 90 के दशक की मीडिया कल्चर पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ‘‘उस समय सोशल मीडिया जैसी कोई चीज नहीं थी, जिससे लोग सेलिब्रिटीज की असली जिंदगी को समझ सकें। इस वजह से मैगजीन और टैब्लॉइड्स को खुली छूट मिल जाती थी और वे अपनी मर्जी से कहानियां बनाकर छापते थे। उस दौर में दर्शकों के पास कोई दूसरा जरिया नहीं होता था, जिससे वे सच्चाई जान सकें।’’

अपनी पोस्ट में सोमी अली ने साल 1993 की एक खास मुलाकात का जिक्र किया,

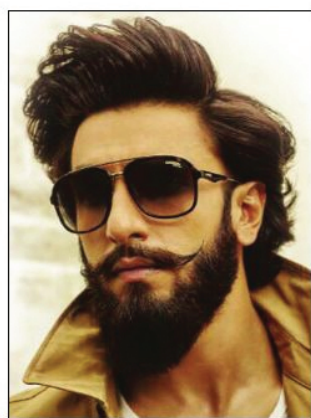
जब उनकी पहली बार जेबा बख्तियार से मुलाकात हुई थी। उन्होंने बताया, ‘‘हम दोनों ही पाकिस्तान में जन्मी थीं लेकिन मेरा पालन-पोषण अमेरिका में हुआ था। इस समानता को आधार बनाकर उस समय की मैगजीन ने हम दोनों के बीच प्रतिस्पर्धा और टकराव की कहानी गढ़ने की कोशिश की, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग थी।’’ उन्होंने कहा, ‘‘मैगजीन की यह कोशिश कभी सफल नहीं हो पाई। असल जिंदगी में मेरे और जेबा बख्तियार के बीच कोई राइवलरी नहीं थी बल्कि हमारे बीच सम्मान और समझ का रिश्ता था। मैं आज भी उस पहली मुलाकात को अच्छे अनुभव के तौर पर याद करती हूँ और मेरे मन में जेबा के लिए काफी इज्जत है।’’

सोमी अली ने जेबा बख्तियार की तारीफ करते हुए कहा, ‘‘वह बेहद खूबसूरत और अच्छी इंसान हैं। वह हमेशा खुश रहें और उन्हें जिंदगी में हर खुशी मिले।’’ अगर जेबा बख्तियार की बात करें तो उन्होंने साल 1991 में रिलीज़ हुई फिल्म ‘हिना’ से पहचान हासिल की थी। इस फिल्म में उनके साथ ऋषि कपूर और अश्विनी भावे नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन रणदीप कपूर ने किया था। भारत-पाकिस्तान की घड़भूमि पर बनी इस प्रेम कहानी को दर्शकों ने काफी पसंद किया।



रणवीर की वजह से मैं इंडस्ट्री में हूँ

फिल्म ‘धुरंधर 2’ की सफलता के बाद से ही रणवीर सिंह ‘टॉक ऑफ द टाउन’ बन गए हैं। मूवी में दमदार एक्टिंग के लिए उनकी जमकर तारीफ हो रही है। इस बीच एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने भी उनको लेकर बड़ा बयान दिया है, जो अब चर्चाओं में है। उन्होंने रणवीर की तारीफ करते हुए कहा, ‘मेरा दिल बहुत खुश है। वो मेरे लिए लकी चारम हैं। इसी वजह से मैं इस इंडस्ट्री में हूँ। मैंने उनके साथ एक हेयर ब्रांड के लिए एंड किया था, और जब वो ऐड टीवी पर आया... तभी फिल्ममेकर्स ने मुझे नोटिस करना शुरू किया। मैं इसका पूरा क्रेडिट उन्हें देती हूँ। उन्होंने सच में मेरी बहुत मदद की है। वो बहुत पॉजिटिव इंसान हैं और उन्हें हर सफलता मिलनी चाहिए।’ उन्होंने ‘धुरंधर 2’ में भी रणवीर की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए कहा, ‘उनकी एक्टिंग सिर्फ ऊपर-ऊपर की नहीं थी, उसमें



गहराई और कई परतें थीं। मैंने उन्हें रणवीर सिंह के रूप में नहीं देखा, सिर्फ ‘हमजा’ के किरदार में देखा। वो हीरो से ज्यादा एक किरदार लगे। मुझे उन पर बहुत गर्व है क्योंकि वो बहुत मेहनती हैं। मैं दुआ करती हूँ कि वो जो भी करें, वो ब्लॉकबस्टर हो। वो सब कुछ कर सकते हैं।’ बता दें कि मृणाल आने वाले दिनों में डकैत फिल्म में नजर आ रही है।



‘गिन्नी वेड्स सनी 2’ परिवारों को वापस सिनेमाघरों में लेकर आएगी

बॉलीवुड एक्टर अविनाश तिवारी और मेधा शर्कर अपनी आगामी फिल्म ‘गिन्नी वेड्स सनी 2’ में शादी के माहौल में खूब धूम मचाने वाले हैं। इस रोमांटिक कॉमेडी का ट्रेलर गुरुवार को रिलीज़ किया गया, जिसमें रिश्तों से जुड़े भावनात्मक विषयों के साथ एक उतार-चढ़ाव भरी प्रेम कहानी दिखाई गई है। फिल्म दर्शकों को पारिवारिक माहौल में ले जाएगी, जहां परिवार, शादी, गलतफहमियों, हंसी-मजाक और चौकाने वाले टिवस्ट दर्शकों को हैरान कर देंगे।



वरुण धवन के साथ शेयर करेंगे स्क्रीन राकेश बेदी

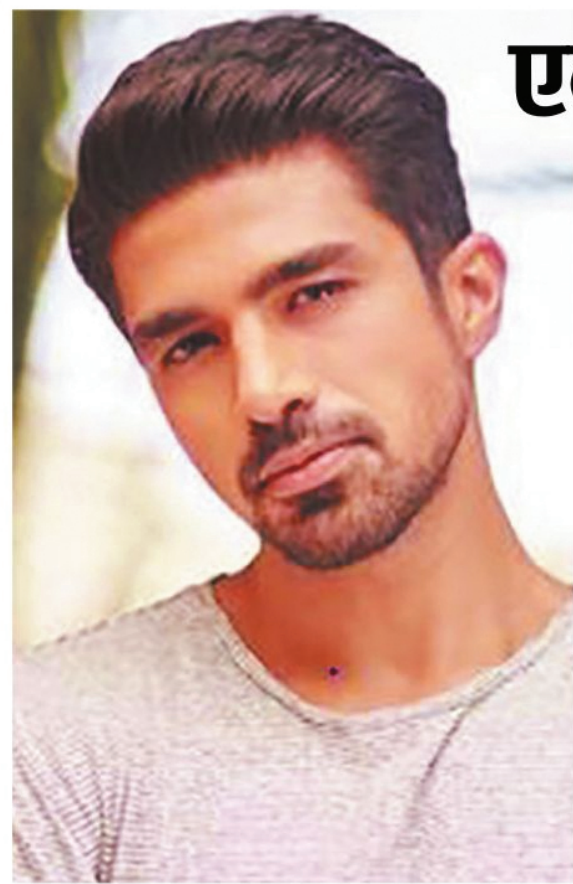
धुरंधर-2 की सक्सेस के बाद फिल्म में राजनेता ‘जमील जमाली’ का किरदार निभाने वाले राकेश बेदी ने नए प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेता ने अपने किरदार को लेकर की गई तैयारी पर बात की और यह भी साफ किया कि ‘धुरंधर-3’ नहीं आने वाली है। धुरंधर-2 की सक्सेस पर बात करते हुए अभिनेता राकेश बेदी ने कहा, ‘फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट रही है और कमाई भी अच्छी कर रही है, लेकिन फिल्म का कॉन्सेप्ट और निर्देशन आदित्य धर का है। हमने तो कलाकार के तौर पर काम किया, जो काम हमें करने के लिए कहा गया, लेकिन असल मेहनत आदित्य धर की है।’

फिल्म धुरंधर-2 में ‘जमील जमाली’ के किरदार के लिए अभिनेता ने बहुत मेहनत की। उन्होंने बताया कि हर किरदार के लिए मेहनत करनी पड़ती है। जैसे हम विराट कोहली को छक्का मारते देखते हैं तो देखने में कितना आसान लगता है, लेकिन असल में ऐसा होता नहीं है। ऐसे ही हर किरदार को निभाने से पहले बहुत कुछ करना होता है। वहीं फिल्म में रणवीर सिंह को असली धुरंधर बताते हुए अभिनेता ने कहा, ‘जिस तरीके से किरदार की मांग थी, सभी किरदारों ने वैसा

ही रोल प्ले किया। मेरा किरदार रणवीर सिंह को बचाने का था क्योंकि अगर कोई स्पॉई दूसरे देश में जा रहा है, तो कोई तो सपोर्ट करने वाला और बचाने वाला होना चाहिए।’ अपने शुरुआती करियर पर बात करते हुए राकेश बेदी ने कहा, ‘मेरे पिताजी चाहते थे कि मैं आईआईटी करूँ, और मैं एंट्रेस एग्जाम भी देने पहुंचा था, लेकिन मुझे 35 सवालों में से सिर्फ सवाल नंबर 7 का उत्तर पता था। फिर लगा कि मैं यहां के लिए नहीं बना हूँ, और मेरे पिता ने भी किसी तरह का जोर नहीं डाला। यही कारण है कि मैं आईआईटी को छोड़कर अभिनेता बना। मैं अपने बच्चों के साथ भी यही करता हूँ, उन्हें जो करना है, वही करने की आजादी देता हूँ।’

कॉमेडी से धुरंधर-2 में ‘जमील जमाली’ के निर्माता को निभाने के सवाल पर अभिनेता ने कहा, ‘आदित्य धर को लगा कि मैं यह किरदार कर सकता हूँ, तो मुझे चुना गया। मैं वैसा विलेन नहीं बना, जैसी छवि भारतीय सिनेमा में रही है, टेढ़ी आँखें वाले, एक्शन करते हुए, लेकिन मुझे चालाक और ‘मेरा बच्चा है तू’ वाला विलेन बनाया गया।

अपने आगामी प्रोजेक्ट्स पर बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि वो दो नए प्रोजेक्ट्स में दिखने वाले हैं। अभिनेता वरुण धवन की अपकमिंग फिल्म ‘है जवानी तो इश्क होना है’ और प्राइम वीडियो पर आने वाली सीरीज ‘राख’ में दिखने वाले हैं। दोनों की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है और जल्द ही रिलीज़ की अनाउंसमेंट की जाएगी।



एक्शन दिखने में जितना मजेदार लगता है, उतना ही मुश्किल भी होता है?

वेब सीरीज ‘कप्तान’ में अभिनेता साकिब सलीम एक बार फिर उसी देसी, रॉ और दबंग अंदाज में नजर आ रहे हैं, जिसे ऑडियंस पहले भी पसंद कर चुकी है। इस सीरीज में उनके साथ सिद्धार्थ निगम और अंजुम शर्मा भी हैं। हल ही में बातचीत के दौरान साकिब ने अपने किरदार, रॉ के एक्शन, सिद्धार्थ निगम के साथ सेट पर हुई मस्ती, प्रोड्यूसर के तौर पर आने वाली मुश्किलों और अपने करियर की भूख पर खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में किस तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है?

‘कप्तान’ करते हुए लगा कि चलो फिर से अपने टाइप का रोल मिला?

हां, बिल्कुल... काफी लंबे समय बाद मुझे फिर ऐसा किरदार मिला। ‘रंगबाज’ के बाद मुझे बहुत प्यार मिला था। उसके बाद लोगों के लगातार मैसेज आते

थे कि सर, वैसा कुछ और करिए, कुछ हार्टलैंड वाला काम करिए। मैं भी जिससे मिलता था, पूछता था कि यार, कुछ है क्या ऐसा? इस शो में मुझे एकदम रॉ, करंट और हार्टलैंड की कहानी मिली। ऐसा किरदार मिला जिसमें भरपूर रस था। मुझे इसमें बहुत मजा आया। धीरे धीरे चलने में, एक्शन करने में। हम लड़कों को एक्शन करने में बहुत मजा आता है। इस शो में तो भर भरकर एक्शन है। एक पूरे एपिसोड में तो सिद्धार्थ बस बैकपिलप ही मार रहा था। मैं और अंजुम एक दिन सेट पर बैठे थे। उसका एक्शन सीन चल रहा था। वह बार बार बैकपिलप मार रहा था, दीवार पर चढ़ रहा था, कूद रहा था। मैं और अंजुम एक दूसरे की तरफ देखकर यही सोच रहे थे कि हमसे ये सब नहीं हो पाएगा, हम तो बस गोली चलाएंगे।

एक्शन दिखने में जितना मजेदार लगता है, क्या उतना ही मुश्किल भी होता है?

बिल्कुल। देखने में तो बड़ा मजा आता है, लेकिन करने में पसीना छूट जाता है। चोट भी लगती है, ये

तो तय है। मुझे भी लगी थी, सिद्धार्थ को भी। लेकिन बात ये है कि सिद्धार्थ को देखकर लगता था, अगर कोई शेर के पिंजरे में घुस जाएगा, तो लगेगी ही न। एक होता है नॉर्मल एक्शन, जो हम लोग करते हैं। बंदूक चलाई, मुक्कबाजी की। लेकिन जो वह कर रहा था, वह अलग ही स्तर का था। यहां से कूदना, वहां से छलांग लगाना, ये सब हम नहीं करने वाले। हमारा एक्शन थोड़ा जमीन पर रहता है। गाड़ी से कूद जाओ, थोड़ा भाग लो, लड़ लो, वह ठीक है।

सेट पर सिद्धार्थ निगम की सबसे ज्यादा खिंचाई किस बात पर हुई?

एक दिन शूट के दौरान बड़ा मजेदार किस्सा हुआ। सिद्धार्थ को शर्ट में ऐसे बटन लगे थे जो हल्के से खिंचने पर खुल जाते थे। उसने दीवार से बैकपिलप मारी। और जैसे ही नीचे उतरा, उसकी शर्ट खुल गई। बस फिर क्या था, हमने वहीं मजाक शुरू कर दिया। मैंने कहा, ये बटन ऐसे थे ही क्यों? नॉर्मल बटन नहीं लगा सकते थे क्या? फिर उसे छेड़ने लगे कि तुमने पहले से सोच रखा था क्या कि एक

बैकपिलप मारूंगा, बटन खुलेंगे और बॉडी दिखाऊंगा। काम जितना होता था, मजाक भी उतना ही चलता था।

अब आप अभिनेता के साथ-साथ प्रोड्यूसर भी हैं। आज के समय में प्रोड्यूसर होना कितना मुश्किल है?

बहुत मुश्किल है। उदाहरण के तौर पर, अमेरिका में एक यूट्यूबर ने फिल्म बनाई। उसने अपनी पूरी कम्प्यूनिटी बनाई। लोगों को फिल्म बनने का पूरा सफर दिखाया। फिर उनसे कहा कि अगर आप ये फिल्म देखना चाहते हैं, तो डिस्ट्रीब्यूटर्स को लिखिए। लाखों लोगों ने ऐसा किया। फिल्म ने बहुत अच्छा कारोबार किया। ये उदाहरण मुझे प्रेरित करता है।

आज इंडस्ट्री में सबसे बड़ी उलझन क्या लगती है?

बहुत सारी चुनौतियां हैं। प्लेटफॉर्म की अपनी चुनौतियां हैं। अब थिएटर और ओटीटी के बीच बड़ी लड़ाई चल रही है। जब मैं आया था, तब मुझे सिर्फ थिएटर वाली फिल्में करनी थीं। अब बहुत कुछ बदल गया है। पहले एक ही रास्ता था। फिल्म बनाओ और थिएटर में रिलीज़ करो। अब इतने विकल्प आ गए हैं कि स्पष्टता थोड़ी कम हो गई है। कई बार लगता है कि आप प्रोड्यूसर कम और लाइन प्रोड्यूसर ज्यादा बन जाते हैं। क्योंकि कई बार चीजें इस तरह बनने लगती हैं कि चलो, ये बन रहा है तो बना लेते हैं। जबकि फिल्म इसलिए बननी चाहिए क्योंकि आप उसे बनाना चाहते हैं। मेरे हिसाब से वही असली बात है।



बॉडी नहीं बनाती ओमेगा-3, शाकाहारी लोगों के लिए बहुत जरूरी हैं ये बीज

ओमेगा 3 एक जरूरी फैटी एसिड है, जिसे शरीर नहीं बना पाता है। इसलिए इसकी कमी का खतरा काफी ज्यादा होता है। जिससे बचने के लिए इन फूड्स का सेवन करना चाहिए।

शरीर को कई तरह के फैट की जरूरत होती है ताकि शरीर का काम सही चलता रहे। मगर ओमेगा-3 फैटी एसिड को बॉडी खुद नहीं बना पाती है और उसे फूड्स पर निर्भर रहना पड़ता है। वरना शरीर में इसकी भारी कमी हो सकती है।

सेल्स के फंक्शन के लिए यह न्यूट्रिएंट बहुत जरूरी होता है। शरीर में ओमेगा-3 की कमी से कई सारी दिक्कतें होने लगती हैं। जिनके बारे में न्यूट्रिशनलिस्ट किरण कुकरेजा ने जानकारी दी है। एक्सपर्ट ने इसे पाने के लिए कुछ फूड्स खाने की सलाह भी दी है।

ओमेगा-3 की कमी से झेलनी होगी ये दिक्कतें
झाई स्कैन, हैयर और आई



हेल्दी स्कैन और हैयर के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड बहुत जरूरी है। वहीं, आंखों की नमी और रेटिना में इसका हाई कंसेंट्रेशन होता है। इसलिए इसकी डेफिशिएंसी त्वचा, बाल और



गर्मी के मौसम में मसाज के फायदे

गर्मियों का मौसम आ चुका है। इस मौसम में बाहर निकलने पर बढ़ती धूप और गर्म हवा आपको परेशान कर देती है। इसके अलावा रोज की भागदौड़ भरी दिनचर्या लोगों को थका देती है। इसके बाद शरीर पर थकान हावी हो जाती है। इसके बाद कुछ भी करने का मन नहीं करता है। यदि आपको इस मौसम में तरोताजा रहना है तो मसाज एक अच्छा उपाय हो सकता है। मसाज लेने के बाद आप एक बार फिर से तन और मन से ताजगी महसूस करने लगते हैं।

मसाज के फायदे

- मसाज से मांसपेशियों की सिक्कुड़ने और फैलने की क्षमता में बढ़ोतरी होती है। इसके अलावा मेटाबोलिज्म का कार्य सही से होने लगता है।
- मसाज से ब्लड सर्कुलेशन सुचारु रूप से काम करता है।
- मसाज करने से नींद अच्छी आती है। जिसके चलते आंखों की रोशनी बढ़ती है। और रिक्त चमकदार बन जाती है।
- मसाज करने के दौरान लंबी-लंबी सांसें लेने से शरीर के अंदर मौजूद कई विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाल जाते हैं। इसके बाद शरीर में स्फूर्ति आ जाती है।
- मसाज रोज करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।
- मसाज से रंग में निखार आता है और रिक्त चमकदार बन जाती है।
- मसाज से मस्तिष्क में तरावट एवं मानसिक शक्ति का अनुभव होता है।
- मसाज के बाद शरीर के छिद्रों में तेल भरे रहने से जीवाणुओं शरीर के अंदर जाने का खतरा नहीं रहता है।

इनकी भी होती है मसाज

- माथे की मसाज
- गालों की मालिश
- टुंडडी की मसाज
- गर्दन की मसाज

आंखों में रूखापन कर सकती है। नाखून हो जाएंगे कमजोर नाखूनों की सेल्स को जोड़े रखने के लिए भी यह फैट जरूरी होता है। इसके कम होने पर सेल्स में ब्रेन डिले और कमजोर होने लगते हैं। जिससे नाखून कमजोर और नाजुक हो जाते हैं।

बीमारियों का घर बनेगा दिल



ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी से दिल बीमारियों का घर बन सकता है। क्योंकि, यह कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। जो कि नसों को सिकोड़ने और डैमेज करके दिल की बीमारियों का प्रमुख कारण बनती हैं।

शाकाहारी लोगों के लिए ओमेगा-3 फूड
 शाकाहारी लोग इसे पाने के लिए अलसी के बीज, चिया सीड्स और अखरोट का सेवन कर सकते हैं। इनमें इसका प्रकाश अल्फा लिनोलैनिक एसिड (एलए) प्रचुर मात्रा में होता है। साथ में फोर्टिफाइड दूध, योगर्ट आदि का सेवन भी कर सकते हैं।

ओमेगा-3 के नॉन वेजिटेरियन फूड
 मछलियों में ओमेगा-3 फैट काफी होता है। इसके लिए सैल्मन, मेक्रेल, टूना, सार्डिन आदि फैटी फिश का सेवन कर सकते हैं।



गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है।

भारत में गर्मियों का मौसम जारी है और कई जगहों पर पारा 40 डिग्री को भी पार कर गया है।

गर्मियों की वजह से घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। भाषण गर्मी में पंखा और कूलर भी साथ नहीं दे रहे हैं। अगले कुछ हफ्तों में गर्मी का सितम और बढ़ेगा और ऐसा वक्त आ जाएगा जब पसी भी काम नहीं करेगी। जाहिर है गर्मी का शरीर पर सबसे ज्यादा बुरा प्रभाव पड़ता है।

गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन की वजह से चक्कर आना, सिरदर्द, ऊर्जा की कमी, भ्रम और यहां तक कि बेहोशी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। डाइट एक्सपर्ट्स की फाउंडर और न्यूट्रिशनलिस्ट पारुल के अनुसार, गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए सिर्फ पानी काफी नहीं है। आपके खाने में कार्ब्स, विटामिन और मिनरल वाली चीजें भी उतनी ही जरूरी हैं। कुछ चीजें हैं जिनका गर्मियों में सेवन करने से शरीर को ठंडा रखा जा सकता है और किसी भी तरह की समस्या से बचा जा सकता है।



कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आजकल की एक गंभीर और आम समस्या बन गई है। आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण है। यह कोई आम समस्या नहीं है और इससे दिल से जुड़े रोगों, स्ट्रोक यानी दिमाग का दौरा और हार्ट अटैक जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का खतरा है। कोलेस्ट्रॉल शरीर की हर कोशिका में पाया जाता है। यह शरीर के लिए जरूरी भी है लेकिन वो अच्छा कोलेस्ट्रॉल होता है। अच्छा कोलेस्ट्रॉल खाद्य पदार्थों का पाचन, हार्मोन का उत्पादन और अन्य कई काम करता है। यह सभी कचरे और विषाक्त पदार्थों को वापस लीवर में पहुंचाता है। लेकिन एक खराब कोलेस्ट्रॉल भी है, जो धमनियों की दीवारों पर पड़िका की एक परत बनाता है, जिससे रक्त का प्रवाह मुश्किल हो जाता है, जो आगे चलकर हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का कारण बन सकता है।

कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं। चूंकि गर्मियों का मौसम जारी है, तो ऐसे में आपको इन सस्ते फलों का खून सेवन करना चाहिए जिससे शरीर से यह गंदा पदार्थ बाहर निकल सके और आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बना रहे।

पपीता

फाइबर से भरपूर पपीता हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कंट्रोल करता है। फाइबर पाचन को बेहतर बनाने में सहायक है और यह आंतों की भी सफाई करता है।

गर्मियों में खाएं ये चीजें चिलचिलाती गर्मी में भी शरीर रहेगा ठंडा

केला और अवोकेडो

इन दोनों फलों में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा यह फाइबर के अच्छे स्रोत हैं। यह दोनों इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं। इन दोनों का शरीर पर ठंडा प्रभाव पड़ता है।

लौकी परिवार की सब्जियां

गर्मियों के दिनों शरीर को ठंडा रखने के लिए आपको लौकी परिवार की सब्जियां जैसे लौकी, कद्दू, करेला, तुरई आदि का खूब सेवन करना चाहिए। इनमें पानी की मात्रा होने के साथ सभी जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं।

साब्जा सीड्स

इन छोटे-छोटे बीजों में फाइबर और प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा यह ओमेगा-3 फैटी एसिड, पोटेशियम, विटामिन सी आदि का भी भंडार है। यह तत्व गर्मी को कम करते हैं और पेट को ठंडा रखते हैं।

खट्टे फल

जूस वाले खट्टे फल जैसे संतरे, नींबू, कीनू

और मौसंबी आदि में जरूरी पोषक तत्व जैसे विटामिन ए, बी और सी पाया जाता है। यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं।

दही

घर की बनी दही पोषक तत्वों का खजाना है और यह पेट के लिए एक नैचुरल प्रोबायोटिक है, जो शरीर को ठंडा रख सकती है। आप खाने में दही या इसका रायता बनाकर इस्तेमाल करें।



आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण है। कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं।

खून की नसों में चिपके जिद्दी कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकाल देंगे गर्मियों के ये 5 फल

अंगूर



एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, अंगूर फाइबर का एक बेहतर स्रोत है। इस तरह अंगूर का नियमित सेवन कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। अंगूर वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है, जिसे हृदय रोगों के पीछे एक और कारण बताया जाता है।

खट्टे फल

गर्मियों में सभी तरह के खट्टे फल खाना दिल से जुड़ी बीमारियों को दूर करने में फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आप अपने खाने में नींबू और संतरे जैसे खट्टे फल शामिल कर सकते हैं क्योंकि यह विटामिन सी से भरे होते हैं। जो इम्यून सिस्टम को भी बढ़ाते हैं।

सेब



सेब एक ऐसा फल है, जो सिर्फ कोलेस्ट्रॉल ही नहीं बल्कि शरीर में जमा अन्य गंदे पदार्थों को भी कम कर सकता है, सभी हृदय रोगियों को अपने खाने में सेब को शामिल करना चाहिए क्योंकि यह कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। सेब में फाइबर पेक्टिन की मौजूदगी कोलेस्ट्रॉल लाल को कम करने में मदद करती है।

स्ट्रॉबेरी

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मानव शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए स्ट्रॉबेरी एक बेहतर परफॉर्मर है। यह एंटीऑक्सिडेंट का बेहतर स्रोत है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा यह विटामिन का भंडार है और इसमें कैलोरी बहुत कम होती है।



स्वाद के साथ सेहत की खान है आम

स्वाद के साथ फायदों की खान है आम। जी हाँ, आम को फलों का राजा माना जाता है। गर्मियां तो बिना आम के सेवन अधूरी हैं। आप कोई भी फल खा लें लेकिन आम को अपनी फ्रूट बास्केट में शामिल करना न भूलें। स्वाद के साथ आम खाने के कई फायदे हैं।

कैंसर से बचाव

आम में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट कोलोन कैंसर, ल्यूकेमिया और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव में फायदेमंद है। इसमें क्यूसेटिन, एस्ट्रोगलिन और फिसेटिन जैसे ऐसे कई तत्व होते हैं जो कैंसर से बचाव करने में मददगार होते हैं।

कोलेस्ट्रॉल नियमित रखने में

आम में फाइबर और विटामिन सी खूब होता है। इससे बैड कोलेस्ट्रॉल संतुलन बनाने में मदद मिलती है।

पाचन क्रिया को ठीक रखने में

आम में ऐसे कई एंजाइम्स होते हैं जो प्रोटीन को तोड़ने का काम करते हैं। इससे भोजन जल्दी पच जाता है। साथ ही इसमें उपस्थित साइट्रिक एसिड, टार्टरिक एसिड शरीर के भीतर क्षारीय तत्वों को संतुलित बनाए रखता है।

स्मरण शक्ति में मददगार

जिन लोगों को भूलने की बीमारी हो उन्हें आम का सेवन करना चाहिए। इसमें पाया जाने वाला ग्लूटामिन एसिड नामक एक तत्व स्मरण शक्ति को बढ़ाने में उत्प्रेरक की तरह काम करता है। साथ ही इससे रक्त कोशिकाएं भी सक्रिय होती हैं। इसीलिए गर्भवती महिलाओं को आम खाने की सलाह दी जाती है।

त्वचा के लिए है फायदेमंद

आम के गुदे का पैक लगाने या फिर उसे चेहरे पर मलने से चेहरे पर निखार आता है और विटामिन सी संक्रमण से भी बचाव करता है।

मोटापा कम करने में

मोटापा कम करने के लिए भी आम एक अच्छा उपाय है। आम की गुठली में मौजूद रेशे शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में बहुत फायदेमंद होते हैं। आम खाने के बाद भूख कम लगती है, जिससे ओवर ईटिंग का खतरा कम हो जाता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में

आम खाने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है।



बच्चों को सिखाएं हेल्दी फूड हैबिट

बच्चों के बड़े होने पर उन्हें पोषण देने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें अच्छा पोषण दिया जाए। लेकिन उसके लिए सही शुरुआत करें और स्वस्थ खाना सिखाएं। बच्चे इन स्वस्थ आदतों को खुद अनुभव करके और दूसरों को देखकर सीखते हैं। बच्चों को अच्छी खाने की आदतें सिखाना शुरू करना कभी भी जल्दी नहीं होता है। इसके लिए आप नीचे दिए टिप्स भी अपना सकते हैं जिससे बच्चे सही समय पर स्वस्थ खाना सीखें जो उन्हें बड़े होने तक फायदा पहुंचाएगा। सभी साथ बैठकर खाएं।

अपनी कोशिश जारी रखें

बच्चों को हेल्दी फूड हैबिट सिखाने में समय लग सकता है। ऐसे में अपनी कोशिश न छोड़ें। शुरुआत में बच्चे नखरे करेंगे लेकिन आपको कोशिश जारी रखी तो बच्चों की आदत भी बदलेगी। कभी-कभी बच्चों को यह चुनने दें कि खाने में क्या सब्जी बननी चाहिए। साथ ही उन्हें उसे बनाने में मदद के लिए कहें।

लालच देकर न खिलाएं

बच्चों को लालच देकर खाना खत्म करने को न कहें। बच्चों को डेजर्ट के लालच में खाना खाने को न कहें। कई माता-पिता इस बात पर जोर देते हैं कि अगर बच्चे पूरा खाना खाएंगे तो उन्हें मिठाई मिलेगी। ऐसा न करें। उन्हें भूख के अनुसार खाना सिखाएं।

बच्चों को चुनने दें
 जरूरी नहीं जो हम खा रहे हों वो

सभी चीजें बच्चे खाएं। बच्चों के लिए अलग से खाना न बनाएं लेकिन जो आप बना रहे हैं या बड़े खा रहे हैं वो सभी चीज बच्चों को जबरदस्ती न खिलाएं। बच्चों को खुद चुनने दें कि वो इन सबमें से क्या खाना चाहते हैं।

बच्चों को हेल्दी फूड हैबिट सिखाने में समय लग सकता है। ऐसे में अपनी कोशिश न छोड़ें। शुरुआत में बच्चे नखरे करेंगे लेकिन आपको कोशिश जारी रखी तो बच्चों की आदत भी बदलेगी। कभी-कभी बच्चों को यह चुनने दें कि खाने में क्या सब्जी बननी चाहिए। साथ ही उन्हें उसे बनाने में मदद के लिए कहें।

कमीशन के चक्रव्यूह में फंसा पार्षद, निगम में पड़ा अलग-थलग

महापौर की गिद्ध दृष्टि पार्षदों सहित अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर

धमतरी। निगम चुनाव होने के बाद से शहरवासियों को यह उम्मीद थी कि उन्हें मूलभूत सुविधाओं के लिये तरसना नहीं पड़ेगा और हमारी हर लंबित मांग पूरी होगी। लेकिन इनका यह सोचना उस वक्त काफ़ूर की तरह उड़ गया जब यहां एक अधिकारी की नियुक्ति हुई, तबसे लेकर शहर विकास थम सा गया है। लोगों की समस्याएं दूर नहीं हो रही है। निर्वाचित जनप्रतिनिधि, अपने वार्डवासियों को हर संभव उनकी समस्याओं के निदान का आश्वासन देकर चुनाव में विजय प्राप्त किये हैं। लेकिन आज ऐसे निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को उक्त अधिकारी के रवैये से वार्डवासियों से खरी७खोटी सुनना पड़ रहा है। उक्त अधिकारी जबसे यहां पदस्थ हैं, तबसे निर्माण कार्य हो, अथवा सप्लाई का आदेश, उनकी अनुमति के बिना किसी अन्य को नहीं मिल पाता। खबर के मुताबिक इनके कार्यकाल में जितने भी काम और सप्लाई हुए हैं उसमें अधिकांश उक्त अधिकारी के परिचितों को ही स्थान दिया गया है। कमीशनखोरी के नाम पर निगम अब चर्चा के दायरे में आ चुका है। खबर के मुताबिक इस चक्रव्यूह में स७लाक्ष से जुड़े एक पार्षद पर भी यह आरोप लग रहे हैं

जिसके चलते अन्य पार्षदों की तुलना में यह पार्षद अलग७थलग पड़ चुका है। शहर के पितामह कहे जाने वाले निगम में जबसे उक्त अधिकारी पदस्थ हुए हैं, इन पर एकला चलो नीति का आरोप लग चुका है। निर्वाचित पार्षदों द्वारा कोई भी समस्याओं को लेकर विचार मंथन किया जाता है तो वे कन्नी काट जाती हैं। इनका पिछले दिनों एसआईआर के समय अचानक छुट्टी पर चले जाना और लिये गये अवकाश के पूर्व आकर पुनः पदभार संभाल लेना, इस अवधि में नगर के नागरिकों को एसआईआर के संबंध में इधर उधर भटकते देखा गया। इन्होंने अवकाश पर जाने से पूर्व किसी को अपना प्रभार भी नहीं सौंपा। निगम द्वारा वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के लिये वाले बेलिंग मशीन जिसकी लागत 40 लाख है जिसे जेम पोर्टल के माध्यम से खरीदी किया गया, इससे पूर्व डोर टू डोर कचरा संग्रहण करने के लिये 20 लाख रुपये की लागत से जो रि७शा खरीदी की गई थी जो कि निविदा शर्तों के अनुरूप नहीं होने के कारण एमआईसी में यह निर्णय लिया गया था कि इस रि७शे को तत्काल वापस किया जाये। इसके बाद भी इन्होंने उक्त रि७शा वापस नहीं किया है और उक्त रि७शा आज भी गैरैज की शोभा बढ़ा रहा है जिसे देखकर लोग चटकारे लगाते हैं। वहीं निगम न्यूजों का यह भी कहना है कि अधिकारी की जिद्द है



कि उक्त रि७शे को मैं वापस नहीं करूंगी और संबंधित को इसका भुगतान किया जायेगा चाहे कोई कितना भी विरोध कर ले। अब देखना है कि निगम में जनप्रतिनिधियों की चलती है या अधिकारिराज चलता है। गुणव७त्ताहीन रि७शा वापस ही नहीं हुआ था कि लगभग 40 लाख रुपये की लागत से खरीदी गई बेलिंग मशीन भी पूरी तरह नियम शर्तों के विपरीत सप्लाई की गई जिसे लेकर विपक्ष सहित स७लाक्ष के लोगों ने भी इसे गंभीरता से लिया जिन्होंने कहा कि उक्त मशीन वापस किया जायेगा परंतु उक्त मशीन भी आज तक वापस नहीं की गई है। इस अधिकारी के विरोध में अब लोग लामबद्ध होकर इनके कार्यकाल की संपूर्ण जांच हेतु एक शिकायत राज्य आर्थिक अपराध अनुसंधान शाखा सहित विभिन्न

विभागों को करने वाले हैं। महापौर रामू रोहरा जिन्होंने चुनाव जीतने के बाद निगम के दहलीज पर मत्था टेककर कहा था कि न खाऊंगा, न खाने दूंगा, सुशासन और जीरो टॉलरेंस में निगम का कामकाज प्रारंभ होगा। शहर की समस्याओं का निराकरण होगा, मूलभूत सुविधाओं की आम नागरिकों को पूर्ति की जायेगी। श्री रोहरा का दो७ट्टक कहना है कि चाहे कोई कितना भी प्रयास कर ले, निगम में भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। लेकिन एक अधिकारी के चक्रव्यूह में फंसकर स७लाक्ष का एक पार्षद भी कमीशनखोरी के नाम पर चर्चित हो चुका है। इस पार्षद की कमीशनखोरी की जानकारी अन्य पार्षदों को लगने पर अधिकांश पार्षद उनसे कन्नी काट लिये हैं और उक्त चर्चित पार्षद के द्वारा अब अपने कुछ समर्थित पार्षदों को भड़काकर मिथ्या बातें फैलाकर विवाद की स्थिति निर्मित की जा रही है जिस पर महापौर रामू रोहरा अपनी गिद्ध दृष्टि जमाये हुए हैं और निगम के पार्षदों सहित अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी नजर रखे हुए हैं। श्री रोहरा लगातार प्रयास कर रहे हैं कि निगम अंतर्गत आने वाले 40 वार्डों के निवासियों को मूलभूत सुविधाओं के अलावा वार्डवासियों, पार्षदों के मांग अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कर रहे हैं। यही कारण है कि निगम क्षेत्रांतर्गत करोड़ों रुपये के विकास कार्य

स्वीकृत हुए हैं। लेकिन कहीं न कहीं पार्षदों के बीच तालमेल का अभाव भी स्पष्ट नजर आ रहा है। अधिकारी के अड्डियल रवैये के चलते आज शहर विकास के छोटे मोटे कार्यों के फाईल भी भूल खा रही है। उनके द्वारा वही फाईल पर हस्ताक्षर किया जाता है जिस पर उनका स्वाक्ष सिद्ध होता है। उनके इस रवैये से शहर के वार्डों में साफ सफाई भी प्रभावित हो रहा है। वार्डों में गंदगी का साम्राज्य स्थापित हो चुका है जिसका कारण भी उक्त अधिकारी को ही माना जा रहा है। आने वाले दिनों में भीषण गर्मी भी पड़ने की संभावना है। लेकिन नागरिकों का मानना है कि उक्त अधिकारी के रहते आसानी से गर्मी में लोगों को पानी मिल पायेगा, इसमें संदेह है। यहां 10.30 बजे से 5 बजे तक यहां पदस्थ अधिकारी के नहीं रहने से अनेक कार्य रुके पड़े हुए हैं। यहां कमीशनखोरी के नाम पर पहले अधिकारी चर्चा के दायरे में आ गये। अब स७लाक्ष से जुड़े पार्षद की भी कमीशनखोरी की घटना प्रकाश में आते ही एक नया विवाद प्रारंभ हुआ। अधिकारी के रवैये को लेकर न सिर्फ उनके अधिनस्थ खुश हैं, और न ही निर्वाचित पार्षद। नगरीय निकाय मंत्री अरुण साव से शहर की जनता ने निगम में रोजना हो रहे विवाद को संज्ञान में लेकर उक्त अधिकारी के स्थानांतरण की मांग की है।

पी.एम.श्री स्कूल चनाट में मनाया गया अंगना म शिक्षा कार्यक्रम



बंधरपुर। पी.एम.श्री शासकीय प्राथमिक शाला चनाट में शिक्षाधिकारी बर्दीविशाल जोल्हे, विकासखंड स्त्रोतकेंद्र समन्वयक अनिल सिंह साव के कुशल मार्गदर्शन में अंगना म शिक्षा कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष संजय पटेल द्वारा मां सरस्वती की पूजा अर्चना की गई, तत्पश्चात कु नीलम द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत किए गए, प्रधान पाठक नीलांबर नायक द्वारा अंगना म शिक्षा कार्यक्रम संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी माताओं को दी गई। निर्धारित 09 काउंटर नामांकन,

संतुलन, वर्गीकरण, अंक पहचान, श७पद, अनुच्छेद आदि की गतिविधियां बच्चों से कराई गई। माताओं के मनोरंजन हेतु सुरली कुर्सी, जलेबी दौड़, पचां उठाओ, विभिन्न पशु पक्षियों की मिमिक्री खेल का आयोजन हुआ। प्रतिभागियों में से प्रथम द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले माताओं को प्रोत्साहित कर पुरस्कृत किया गया। शाला परिवार से प्रभा जगत, विजय दास महंत, रविलाल चौहान, उमावती, भारमोती, नरेश पटेल, प्रधान पाठक नीलांबर नायक द्वारा समन्वयक रोहित पटेल समेत 30 से अधिक माताओं की उपस्थिति रही। सभी ने परस्पर सहयोग प्रदान किया।

आमदी नप में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू ने हितग्राहियों से की मुलाकात



धमतरी। भारतीय जनता पार्टी के गांव चलो, घर चलो अभियान के अंतर्गत नगर पंचायत आमदी में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने सघन जनसंपर्क किया। सर्वप्रथम रंजना साहू ने अटल परिसर में अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ माल्यार्पण किये। इस दौरान उन्होंने गांव चलो घर चलो अभियान के तहत हितग्राहियों से मुलाकात की एवं विभिन्न बाजारों में पहुंचकर आमजन, हितग्राहियों एवं सामाजिक प्रतिनिधियों से मुलाकात कर केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और साथ ही लाभार्थियों से मुलाकात किए। इसके साथ साथ नगर की समस्याओं और सुझावों को सुना। कार्यक्रम के दौरान साहू ने स्वच्छता अभियान में स्वयं भाग लेकर स७लाई की गतिविधियों में हिस्सा लिया और लोगों को अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। अपने उद्बोधन में रंजना डीपेंद्र साहू ने कहा कि गांव चलो, घर चलो अभियान केवल एक राजनैतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज से जुड़ने और जनता की समस्याओं को समझने का सश७ल माध्यम है। स्वच्छता केवल सरकार की जि७मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। जब तक हम स्वयं जागरूक नहीं होंगे, तब तक स्वच्छ और स्वस्थ समाज का निर्माण संभव नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का

लाभ अंतिम व्य७पित तक पहुंचाना भाजपा का मु७्य उद्देश्य है और इसके लिए कार्यकर्ता लगातार मैदान में सक्रिय हैं। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को प्राथमिकता से हल करने में सहयोग करें। नगर पंचायत आमदी की अध्यक्ष ज्योति साहू ने अपने संबोधन में कहा कि नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाना हम सभी की सामूहिक जि७मेदारी है। नगर पंचायत लगातार स्वच्छता को लेकर विभिन्न अभियान चला रही है। लेकिन जनभागीदारी के बिना यह कार्य अधूरा है। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियानों से लोगों में जागरूकता बढ़ती है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन आता है। उन्होंने रंजना साहू के नेतृत्व और मार्गदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में क्षेत्र में विकास और जनसेवा के कार्यों को और गति मिलेगी। इस अवसर पर मु७्य रूप से नगर पंचायत उपाध्यक्ष कोमल यादव, पार्षद उमानंद कुंभकार, जीतेन्द्र पटेल, मण्डल महामंत्री अनिल तिवारी, ललित मानिक उपाध्यक्ष आमदी मंडल, भाजपा असरु साहू, नीलकंठ साहू, जागेश्वर साहू, बेनीराम साहू, बसंत साहू, बिसुगुम पटेल, बंसी साहू, सुरेश साहू, भूषण साहू, जागेश्वर नेताम, सरिता साहू, सुनीता साहू, अंजली साहू, मुकेश पटेल, प्रशांत पटेल, कमल, सुंदर पटेल, त्रिभुवन मटियारा, नारायण मटियारा, भूषण साहू, गोहर दीपम, तुमैन्द्र दीपम, आनंद साहू, दीनदयाल साहू, गैद साहू, विष्णु साहू, महेंद्र कोसरिया, अजय साहू, भारती साहू, देवेन्द्र पटेल, सतोषी साहू, सोहन साहू, सोनउ साहू, रानी साहू, श्रवण साहू सहित बड़ी सं७ीया में पार्षद व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मिनीमाता कॉलेज में पत्रकारिता की पाठशाला, छात्रों को मिला प्रैक्टिकल ज्ञान

मिनीमाता कॉलेज में छात्रों को बताया—पत्रकारिता केवल खबर नहीं, जिम्मेदारी, छात्रों ने फोटो जर्नलिज्म के गुर भी सीखे

बलौदाबाजार। शहर के शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग के अंतर्गत आयोजित 7 दिवसीय इंटरनैशियल समतुल्य कोर्स का आयोजन किया जा रहा है। जिसके छठवें दिन इले७ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े पत्रकारों द्वारा छात्रों को पत्रकारिता के विविध आयामों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में पत्रकार देवेश साहू ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में हर व्य७पित सोशल मीडिया के माध्यम से सूचना का आदान७प्रदान कर रहा है लेकिन पत्रकारिता केवल खबरों के प्रसार तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक जि७मेदारीपूर्ण कार्य है, जिसमें सत्यता, निष्पक्षता और तथ्यात्मकता का विशेष महत्व होता है। पत्रकार समाज का सच्चा दर्पण और प्रहरी होता है जो न केवल घटनाओं को प्रस्तुत करता है बल्कि उनके पीछे छिपे सत्य को उजागर करने का कार्य भी करता है। साथ ही छात्रों को फेक न्यूज से सावधान रहने एवं किसी भी जानकारी को साझा करने से पूर्व उसके सत्यापन की सीख दी गई। उन्होंने छात्रों को समाचार की



संरचना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि एक प्रभावी समाचार में शीर्षक, इंट्रो, विवरण, पृष्ठभूमि और निष्कर्ष का समुचित संतुलन होना आवश्यक है। साथ ही 5 ड७लू 1 एच के आधार पर समाचार लेखन की प्रक्रिया को सरल तरीके से समझाया गया। कार्यक्रम के दौरान इले७ट्रॉनिक मीडिया के विभिन्न पहलुओं जैसे लोकेशन, स्लग, एंकर, वॉइस ओवर एवं

बाइट की तकनीकी जानकारी भी प्रदान की गई। इसके अलावा पीटीसी, वॉक थ्रू, 121 इंटरव्यू एवं वॉ७स पॉप जैसे व्यावहारिक पक्षों से भी छात्रों को अवगत कराया गया। वहीं पत्रकार अरविंद मिश्रा ने पत्रकारिता में फोटोग्राफी की भूमिका को बताया उन्होंने कहा कि एक प्रभावशाली तस्वीर खबर को अधिक विश्वसनीय और आकर्षक बनाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, फोटो किसी

भी घटना का प्रत्यक्ष प्रमाण होती है जिससे पाठकों और दर्शकों का भरोसा बढ़ता है। फोटोग्राफी के माध्यम से जटिल घटनाओं को आसानी से समझाया जा सकता है। साथ ही यह लोगों की भावनाओं को भी सीधे प्रभावित करती है। डिजिटल और टीवी मीडिया में तो तस्वीरों और वीडियो का महत्व और भी बढ़ गया है जहां हर खबर के साथ दृश्य प्रस्तुत करना जरूरी हो गया है।

एक अच्छी फोटो न केवल खबर को जीवंत बनाती है बल्कि भविष्य के लिए ऐतिहासिक दस्तावेज के रूप में भी काम करती है। हिंदी विभाग द्वारा आयोजित इस इंटरनैशियल कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को पत्रकारिता के क्षेत्र में व्यावहारिक एवं तकनीकी ज्ञान प्रदान करना है जिससे वे भविष्य में इस क्षेत्र में बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ कल्पना उपाध्याय, हिंदी विभागाध्यक्ष सुनीता त्रिवारी, अतिथि व्य७प्याता मंजू अग्रवाल, पूजा बांधे सहित बड़ी सं७ीया में छात्र७छात्राएं उपस्थित रहे।

भारतीय जैन संघटना अंतर्गत सेवा पहल राहगीरों, पक्षियों के लिए बना सहारा

तपती दोपहर में राहत, गन्ने का रस पिलाया, चिड़ियों के लिए सकोरे बांटे

धमतरी। भीषण गर्मी के बीच रत्नाबंधा रोड पर भारतीय जैन संघटना के अंतर्गत आयोजित एक उल्लेखनीय सेवा पहल में राहगीरों को शीतल गन्ने का रस पिलाया गया तथा पक्षियों के लिए सकोरे जल पात्र वितरित किए गए। कई घंटों तक चली इस सेवा में पैदल चलने वाले, साइकिल चालक सभी ने रुककर राहत का अनुभव किया। इस दौरान लगभग 550 राहगीरों को गन्ने का रस पिलाया गया तथा 300 सकोरे वितरित किए गए। गन्ने का रस सरला पारख के सौजन्य से तथा सकोरे राजकुमारी पारख के सौजन्य से उपल७ध कराए गए। राहगीरों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि तपती धूप में ठंडा गन्ने का रस उन्हें तुरंत ताजगी और ऊर्जा प्रदान कर गया। वहीं



सकोरा वितरण को लोगों ने पर्यावरण एवं जीव७जंतुओं के प्रति जि७मेदारी का प्रेरणादायक संदेश बताया। कार्यक्रम की एक विशेष बात बच्चों की सक्रिय सहभागिता रही। बड़ी सं७ीया में शामिल बच्चों ने प्रतिदिन चिड़ियों के लिए पानी रखने का संकल्प लिया। पालकों ने भी प्रसन्नता व्य७पित करते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से बच्चों में बचपन से ही जीव७जंतुओं के प्रति दया,

संवेदना और जि७मेदारी की भावना विकसित होती है। इस सेवा कार्य में भारतीय जैन संघटना की संरक्षक सरला पारख, उपाध्यक्ष सुषमा चोपड़ा, कोषाध्यक्ष शिमला पारख, राजकुमारी पारख, गौरी लोढा, शशि गोलछा, अंजू लोढा, मंजू लुंकड़, संगीता गोलछा, अंजू गोलछा एवं डॉ सरिता दोशी ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर बलौदा में आयोजित

सरायपाली। स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के संयु७ित तत्वाधान में मु७्यमंत्री बाल संदर्भ योजना के अंतर्गत ग्राम बलौदा में गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा ग्रामीणों को गुणव७त्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय अग्रवाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बीएमओ डॉ. कुणाल नायक ने कुल 30 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक उपचार एवं स्वास्थ्य परामर्श दिया। शिविर में विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य जांच पर ध्यान केंद्रित किया गया। शिविर के दौरान डॉ. कुणाल नायक की सरल, संवेदनशील और जि७मेदार कार्यशैली की आमजन में सराहना हुई। उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ अभिभावकों को



पोषण, टीकाकरण और उचित देखभाल के बारे में विस्तार से जागरूक किया। उनकी सहज संवाद शैली और मरीजों के प्रति समर्पण ने ग्रामीणों में भरोसा और मजबूत किया। गौरतलब है कि डॉ. कुणाल नायक के बीएमओ का पदभार संभालने के बाद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सुविधाओं में निरंतर सुधार देखा जा रहा है। अस्पताल की व्यवस्थाओं को बेहतर करने, समय पर उपचार उपल७ध कराने और

मरीजों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के प्रयासों की व्यापक सराहना हो रही है। बलौदा में आयोजित यह शिविर न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि यह भी दर्शाता है कि सश७ित नेतृत्व और समर्पित कार्यशैली से ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई दिशा दी जा सकती है। उ७पित जानकारी खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी सह मीडिया प्रभारी टी.आर. धृतलहर द्वारा दी गई।

गांव चलो-बस्ती चलो अभियान के तहत मोनिका पहुंच रही घर-घर



धमतरी। भारतीय जनता पार्टी 47वीं स्थापना दिवस के तहत गांव चलो७बस्ती चलो अभियान के अंतर्गत ग्राम बारना में लाभार्थियों से संपर्क अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का मु७्य उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्य७पित तक पहुंचाना तथा पात्र हितग्राहियों से सीधा संपर्क स्थापित करना था। इस अवसर पर मोनिका ऋषभ

देवांगन मु७्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने लाभार्थियों से आत्मीय संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनी। मोनिका ऋषभ देवांगन ने कही गांव चलो बस्ती चलो अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनता और सरकार के बीच सेतु है। हमारा संकल्प है कि कोई भी पात्र व्य७पित योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। प्रधानमंत्री आवास योजना,

आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री किसान स७मान निधी भूमिहीन कृषक योजना हर घर शुद्ध पेयजल योजना सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों से घर७घर जाकर संपर्क किया गया। साथ ही ग्राम के वरिष्ठजनों का स७मान किया गया। कार्यक्रम में मु७्य रूप से ऋषभ देवांगन पूर्व अध्यक्ष गंगरेल मंडल भाजपा, मिश्रीलाल पटेल अध्यक्ष भोथली

मंडल भाजपा, केशव साहू उपाध्यक्ष जनपद पंचायत, धमतरी प्रभारी प्रेमनारायण साहू, खिलावन प्रजापति बृथ अध्यक्ष, रामचरण सोनी, दौलत साहू, हीरामन प्रजापति, मुकेश श्यामलाल पटेल, ममता निषाद, नेमीन साहू, सुनीता साहू, कौशिल्या प्रजापति, पंच सोनम प्रजापति, पार्वती निबाद, खेमेश्वरी साहू एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

लाभार्थियों ने सरकार के प्रयासों की सराहना की तथा अपनी समस्याओं के त्वरित समाधान पर संतोष व्य७पित किया। अभियान के सफल संचालन में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, बृथ स्तर के कार्यकर्ताओं का सक्रिय सहयोग रहा। गांव चलो बस्ती चलो अभियान आगामी दिनों में क्षेत्र के अन्य ग्रामों में भी इसी उत्साह के साथ चलाया जाएगा।

सेमरिया पंचायत के अपत्ति के बाद भी सरकारी जमीन पर बोर कर खनन कर हो रहा अवैध ईट भट्टे का कारोबार

भाटापारा। शहर से लगे आसपास के सरहद्दी व ग्रामीण क्षेत्रों में भारी पैमाने पर अवैध ईट भट्टा का कारोबार फल फूल रहा है। गौरतलब है कि गर्मी के सीजन मे यह इट भट्टे का कारोबार चर्म मे रहता है। इन अवैध ईट भट्टों के कारण शासन को लाखों करोड़ो राजस्व का नुकसान तो होता ही है, साथ ही पर्यावरण का भी भारी पैमाने पर नुकसान होता है। ऐसे ही एक मामले मे ग्राम कोडापार से लगे सेमरिया(ब) गांव मे शासकीय जमीन के एक बहुत बड़े रकबे मे अवैध ईट भट्टा निर्माण को त्वरित गति से हटायें जाने का पंचायत द्वारा प्रस्ताव पास किया गया है जिसमें पंच व सरपंच का हस्ताक्षर युक्त लेटर उच्च अधिकारियों को सौंपा गया है। ग्राम सेमरिया(ब) पंचायत के महेश्वरी हिरामणी युदु का कहना है कि अवैध ईट भट्टा संचालालक द्वारा शासकीय जमीन के बहुत बड़े भूभाग पर क७जा करते हुये अवैध ईट भट्टे का निर्माण किया जा रहा है, जिसका पटवारी द्वारा नाप जोक कराये जाने पर सरकारी जमीन का होना भी प्रमाणित हुआ। साथ ही बिना किसी मंजूरी के उक्त शासकीय उक्त मे बोरपंप भी कराया गया है, जहाँ



बेतहाशा पानी व मिट्टी का दोहन किया जा रहा है जबकि पिछले सत्र मे अवैध ईट भट्टा के संचालन पर रोक व सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण को लेकर पंचायत ने कड़ा विरोध व अपा७ा भी जताया था। परंतु अवैध ईट भट्टा संचालक इन सबसे बेखोफ होकर अपने कृत्य को लगातार अंजाम दे रहा है, जिस पर खनिज विभाग व जनपद पंचायत कि कड़ी कारवाई अतिआवश्यक हो गया है। उक्त मुद्दे को लेकर कले७टर से भी जल्द शिकायत दर्ज कराने कि बात सेमरिया सरपंच द्वारा कही गई।

प्रशासनिक पहल शुरू, संभाग आयुक्त और कलेक्टर ने चिन्हांकित स्थल का किया मौका मुआयना

भिलाई में बनेगा सुव्यवस्थित थोक सब्जी मार्केट, आकाशगंगा थोक सब्जी मार्केट पहुंचे संभाग आयुक्त और कलेक्टर

पैदल भ्रमण कर वस्तुस्थिति का लिया जायजा

व्यवस्थान के संबंध में व्यापारियों से की रूबरू चर्चा

निर्माणाधीन कार्यों का भी किये अवलोकन

दुर्ग। भिलाई नगर में आकाशगंगा थोक सब्जी मार्केट के विकल्प के रूप में सुव्यवस्थित थोक सब्जी मार्केट का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए प्रशासनिक पहल शुरू हो गई है। संभाग आयुक्त श्री सत्यनारायण राठौर और कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह आज नगर निगम भिलाई एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ चिन्हांकित स्थल राधिका नगर भिलाई, पुलिस थाना सुपेला के पीछे रिक मैदान का मौका मुआयना किये।

निगम आयुक्त श्री राजीव पाण्डेय ने अवगत कराया कि उक्त स्थान भिलाई



निगम के अंतर्गत है, इसे पूर्व में साडा द्वारा टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग को आवासीय फ्लैट हेतु उपलब्ध कराया गया है। वर्तमान में उक्त स्थल निगम

अंतर्गत है। इसे व्यावसायिक उपयोग हेतु परिवर्तित कर थोक सब्जी मार्केट हेतु विकसित किया जाना है। स्थल मुआयना के दौरान संभाग आयुक्त श्री

राठौर और कलेक्टर श्री सिंह ने मौके पर चिन्हांकित स्थल के नक्शे में खसरे एवं रकबा का अवलोकन भी किया। तत्पश्चात उन्होंने आकाशगंगा थोक

साजा विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए 8 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति

कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए साजा विधानसभा क्षेत्र में जनहित के विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए 8.00 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। साजा विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री ईश्वर साहू द्वारा अनुशंसित इन कार्यों का संपादन क्रियाव्यवण एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत धमधा द्वारा किया जाएगा। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वीकृत राशि से धमधा विकासखण्ड के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में मंदिर परिसर विकास और अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कराया जाएगा। इसमें प्रमुख रूप से ग्राम पंचायत टेकापार में शीतला मंदिर के पास अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु 3.00 लाख रूपए की स्वीकृति दी गई है। इसी प्रकार, ग्राम पंचायत राजपुर में नागा बाबा मंदिर के पास उद्यान सौंदर्यीकरण एवं पचरी निर्माण (नहर) कार्य के लिए 5.00 लाख रूपए स्वीकृत किए गए हैं।

पीलिया प्रभावित क्षेत्र भिलाई में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 113 एवं अहिवारा में 45 घरों का किया भ्रमण

दुर्ग। वार्ड-67 सेक्टर-7 पश्चिम सड़क 37 ए भिलाई नगर में पीलिया के मरीजों की जानकारी होने पर 16 अप्रैल 2026 को डॉ. मनोज दानी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग एवं डॉ. सी.बी.एस. बंजारे, जिला सवेलेंस अधिकारी दुर्ग के मार्गदर्शन में श्री विजय सेजुले, सुपरवाइजर, श्री हितेन्द्र कोसरे, बीईटीओ एवं स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिनों के साथ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण किया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री दानी से प्राप्त जानकारी अनुसार आज 16 अप्रैल 2026 को प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 113 घरों का भ्रमण किया गया, जिसमें कोई भी पीलिया से ग्रसित नए मरीज नहीं मिले। इस प्रकार उक्त संक्रमित क्षेत्र में आज दिनांक तक कुल 37 पीलिया के मरीज मिले, जिनमें से 02 पुराने मरीज श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, भिलाई में उपचाररत है तथा 01 पुराना मरीज डिस्चार्ज हुए, 01 मरीज जिला चिकित्सालय दुर्ग में आज भर्ती हुए इस प्रकार कुल भर्ती मरीज 03 है।

उक्त प्रभावित क्षेत्र में नगर निगम भिलाई की मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा लक्षणयुक्त मरीजों की सीबीसी/एलटीएफआरएफटी/विडॉल व अन्य अतिआवश्यक जांच की जा रही है, वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है।

इसी तरह विकासखण्ड धमधा अंतर्गत विगत 15 अप्रैल 2026 को वार्ड नं-05,06,07 अहिवारा में पीलिया की मरीजों की जानकारी होने पर 16 अप्रैल 2026 को प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा 45 घरों का भ्रमण किया गया जिसमें कोई भी नये पीलिया से ग्रसित मरीज नहीं मिले, इस प्रकार उक्त संक्रमित क्षेत्र में 04 अप्रैल 2026 से आज 16 अप्रैल 2026 तक कुल 12 पीलिया के मरीज मिले। जिसमें से आज दिनांक तक कुल 06 मरीज (04 सामु.स्वा. केन्द्र अहिवारा व 01 श्री शंकराचार्य कॉलेज जुनवानी दुर्ग,01 एपेक्स अस्पताल कुम्हारी) भर्ती किये गये जिसमें से 02 मरीज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अहिवारा व 01 मरीज एपेक्स अस्पताल कुम्हारी से डिस्चार्ज किये गये। इस प्रकार वर्तमान में उक्त प्रभावित क्षेत्र से कुल

03 मरीज (02 सामु.स्वा.केन्द्र अहिवारा व 01 श्री शंकराचार्य कॉलेज जुनवानी दुर्ग) में उपचार ले रहे हैं। वर्तमान में जिनकी स्थिति सामान्य है। आज 16 अप्रैल 2026 को प्रभावित क्षेत्र से कुल 07 पानी जाँच हेतु सैम्पल लिया गया एवं नगर पालिका अहिवारा द्वारा पाईप लाइन कि मरम्मत की जा रही है व आवश्यकतानुसार लक्षण युक्त मरीजों का सीबीसी/एलटीएफआरएफटी/विडॉल व अन्य अति आवश्यक जांच की जा रही है, वर्तमान में स्थिति पूर्णतः नियंत्रण में है।

पीलिया हेतु पीलिया प्रदूषित जल व भोजन से फैलने वाला संक्रामक रोग है जो विषाणुओं के संक्रमण से होता है। विषाणुओं के शरीर में प्रवेश करने के 15 से 50 दिनों के भीतर बीमारी के लक्षण प्रगट होते हैं। पीलिया के प्रमुख लक्षण भूख न लगना, पीले रंग की पेशाब होना, भोजन का स्वाद न आना, उल्टी लगना या होना, सिर में दर्द होना एवं कमजोरी तथा थकावट का अनुभव करना, पेट के दाहिने तरफ ऊपर की ओर दर्द होना, आँख व त्वचा का रंग पीला होना।

पेवर ब्लॉक निर्माण में लापरवाही पर सख्त हुई महापौर



- खराब कार्य उखाड़कर दोबारा निर्माण के निर्देश
- निरीक्षण में खुली पोत, महापौर बोलतीं, गुणवत्ता से नहीं होगा कोई समझौता
- खराब पेवर ब्लॉक कार्य पर गिरी गाज, ठेकेदार को फटकार और दोबारा निर्माण के आदेश

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर महापौर श्रीमती अलका

बाघमार ने सख्त रुख अपनाया है। शुक्रवार को सिविल लाइन स्थित एसपी बंगले के पीछे चल रहे पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्य में गंभीर खामियां पाए जाने पर महापौर ने नाराजगी जताते हुए खराब हिस्से को तत्काल उखाड़कर पुनः निर्माण कराने के निर्देश दिए।

तकनीकी मानकों की मौके पर जांच, अधिकारियों को सख्त निर्देश

निरीक्षण के दौरान लोक कर्म

प्रभारी देवनारायण चंद्राकर ने स्वयं मेजरिंग टेप से पेवर ब्लॉक की मोटाई, सड़क की लंबाई-चौड़ाई एवं बेस लेयर की जांच की। उप अभियंता हरिशंकर साहू को निर्माण कार्य में तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। महापौर ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि निरीक्षण के दौरान सभी संबंधित फ़इलें साथ रखें और कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करें।

महापौर श्रीमती बाघमार ने ठेका एजेंसी के संचालक को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कार्य में गुणवत्ता से समझौता पाया गया तो

भुगतान रोक दिया जाएगा तथा संबंधित एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण में बेस, सीमेंट एवं पानी की उचित तराई नहीं पाई गई, जो अत्यंत गंभीर लापरवाही है। महापौर ने दो टूक कहा कि किसी भी प्रकार का घटिया निर्माण बर्दाश्त

नहीं किया जाएगा। आवश्यक होने पर पूरी सड़क को ठेकेदार के खर्च पर दोबारा बनवाया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सोमवार तक संबंधित कार्य को पूरी तरह उखाड़कर नए सिरे से गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को टिकाऊ एवं बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

सेल्फ एन्सूरेशन को बढ़ावा: निगम ने नागरिकों से ऑनलाइन गणना पत्रक भरने की अपील की

भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित जनगणना 2027 के अंतर्गत घर-घर सर्वेक्षण कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। निगम प्रशासन द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में मुनदी के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है, जिसमें उन्हें जनगणना के महत्व एवं सर्वेक्षण कार्य में सहयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। नागरिकों से अपील की जा रही है कि वे अपने घर आने वाले सर्वेक्षण दल को सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं, जिससे यह महत्वपूर्ण कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सके। इस अभियान के तहत निगम के अधिकारी एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जो क्षेत्रवार निगरानी करते हुए जनगणना कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान कर रहे हैं। अधिकारियों द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि सर्वेक्षण प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो। स्व-गणना की सुविधा के अंतर्गत नागरिक 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक स्वयं अपने घर से संबंधित जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए नागरिक निर्धारित लिंक या शासन के आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपना गणना पत्रक भर सकते हैं। निगम प्रशासन ने सभी विभाग प्रमुखों एवं नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में स्व-गणना करने की अपील की है।

पहली बार स्व-गणना, स्वयं ऑनलाइन जानकारी भरने की सुविधा संभाग आयुक्त और कलेक्टर ने भरा ऑनलाइन स्व गणना प्रपत्र

प्रणकों एवं सुपरवाइजर्स का प्रशिक्षण जारी

दुर्ग। जिले में भारत की जनगणना की तैयारियां निर्धारित कार्यक्रम के तहत जारी हैं। नागरिकों को स्व-गणना का अवसर प्रदान किया गया है। एसई वेब पोर्टल <http://se.census.gov.in> के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में कोई भी व्यक्ति जनगणना संबंधी निर्धारित बिंदुओं में अपनी जानकारी स्वयं भर सकता है। जिले में गुरुवार 16 अप्रैल से स्व-गणना शुरू हो गया है। संभाग आयुक्त श्री एस.एन. राठौर एवं कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने आज निर्धारित पोर्टल से अपना स्व गणना पत्रक ऑनलाइन भरे। उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा नागरिकों की सुविधा के लिए आसान एवं सरल प्रक्रिया के तहत स्व गणना भरने की सहूलियत दी गई है। घर का मुखिया इस फर्म को भर सकते हैं। एक मोबाइल से केवल एक ही स्व गणना फर्म भरा जा सकता है। यह फर्म सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक भरा जा सकता है। इससे एक आई डी प्राप्त होगा। जिसे प्रणणक जब आपके घर आएंगे तब बताना होगा। लेकिन

पहली बार स्व-गणना, स्वयं ऑनलाइन जानकारी भरने की सुविधा



यदि आप यह फ़र्म नहीं भर पाते तो 1 से 30 मई के बीच प्रणणक आपके घर आकर जानकारी लेंगे। यह प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित और गोपनीय है। जिले में चल रही जनगणना की तैयारियों के सिलसिले में शनिवार 11 अप्रैल से प्रणणकों एवं सुपरवाइजर का प्रशिक्षण शुरू हुआ।

बेझिझक दें सही-सही जानकारी, पूरी गोपनीयता रहेगी और साक्ष्य के रूप में मान्य नहीं होगी

संभाग आयुक्त श्री राठौर एवं कलेक्टर श्री सिंह ने जिलेवासियों से अपील की है कि जनगणना के

लिये आने वाले प्रणणकों को बेझिझक सही-सही जानकारी दें। आपके द्वारा दी गई जानकारी पूर्णतः गोपनीय रहेगी। स्पष्ट प्रावधान है कि आपके द्वारा दी गई जानकारी का उपयोग केवल साक्ष्य के रूप में स्वीकार नहीं होगा। जनगणना के आंकड़े कल्याणकारी योजनाओं, संसाधनों के वितरण तथा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन कार्य के लिये आधार बनते हैं।

प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना

भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय द्वारा

निर्धारित कार्यक्रम के तहत जिले में भी दो चरणों में जनगणना होगी। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (एचएलओ) कार्य 01 मई से 30 मई 2026 तक किया जायेगा।

